आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,सोमवार 6 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, कृष्ण पक्ष-7 ■ वर्ष -42 ■ अंक-099 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 07 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

जो भी इस पाप से जुड़ा हुआ है, उसको सजा दिलाएंगे

चंपत राय पर फैसला आने से पहले राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष का बड़ा बयान

अयोध्या,6 जुलाई। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने अयोध्या राम मंदिर में हुई चोरी की घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने गहरी चिंता जताते हुए इस घटना को बेहद दुखद बताया। उन्होंने मांग की कि इस पापपूर्ण कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को किसी भी हाल में बख्शा न जाए और जोर देकर कहा कि उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। एक लिखित बयान में महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का प्रतीक है और ऐसी घटनाएं भक्तों की भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाती हैं। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि इस मामले में आरोपियों की जल्द पहचान कर ली जाएगी और कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने उम्मीद जताई कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले को पूरी गंभीरता से लेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि दोषियों को कड़ी सज़ा मिले। महंत नृत्य गोपाल दास ने आग्रह किया कि इस घटना को आस्था के मामले के तौर पर देखा जाए, न कि इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया जाए। उन्होंने भरोसा जताया कि जांच पूरी होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी और कानून अपना काम करेगा। अयोध्या में आज श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की एक अहम बैठक होने वाली है। इस बैठक में चंदा लेने में कथित गड़बड़ियों को लेकर बढ़ते विवाद के बीच, पूर्व महासचिव चंपत राय और पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा के भविष्य पर फ़ैसला होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, ट्रस्ट इन दोनों पदाधिकारियों के इस्तीफ़े को औपचारिक रूप से मंज़ूरी दे सकता है, जिससे संस्था से उनकी विदाई तय हो जाएगी। इन दोनों ने 26 जून को इस्तीफ़ा दिया था और बाद में 27 जून को ट्रस्टी और कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने इस्तीफ़े की पुष्टि की थी।

राम मंदिर परिसर में दोपहर 3 बजे होने वाली इस बैठक का एजेंडा काफी लंबा है। इस्तीफ़े के मुद्दे के अलावा, ट्रस्ट मंदिर के दान-पात्रों में मिले दान की गिनती और हिसाब-किताब पर स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की शुरुआती रिपोर्ट की समीक्षा भी कर सकता है। बैठक में फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के लिए ऑडिट प्रोसेस और मंदिर मैनेजमेंट से जुड़े बड़े प्रशासनिक इंतज़ामों पर भी फ़ैसले लिए जा सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि बैठक में इन दो पदों के लिए संभावित विकल्पों पर भी चर्चा हो सकती है। जिन नामों पर चर्चा हो रही है, उनमें बजरंग बांगड़ा और नीरज डौनेरिया शामिल हैं, हालांकि अभी तक कोई अंतिम फ़ैसला नहीं लिया गया है।

ट्रस्ट की बैठक में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए हैं; इस बैठक के लिए कई वरिष्ठ धार्मिक हस्तियां और ट्रस्टी अयोध्या पहुंचे हैं। बैठक में शामिल होने वालों में ट्रस्टी स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, युगपुरुष स्वामी परमानंद और कृष्ण मोहन शामिल हैं, जो पहले ही मंदिर नगरी पहुंच चुके हैं। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी नृपेंद्र मिश्रा और स्वामी विश्वप्रसन्नतीर्थ समेत अन्य सदस्यों के दिन में बाद में पहुंचने की उम्मीद है। वरिष्ठ वकील और ट्रस्टी के. परासरन के साथ कुछ अन्य सदस्यों के भी वर्चुअल तरीके से बैठक में शामिल होने की संभावना है। सूत्रों ने यह भी बताया कि ट्रस्ट ने राय और मिश्रा दोनों को नोटिस जारी कर दिया है, ताकि कोई भी अंतिम फैसला लेने से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका मिल सके। गवर्निंग बॉडी दो-तिहाई बहुमत से फैसला करेगी। इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इसका मकसद सिर्फ़ प्रक्रियात्मक नहीं, बल्कि प्रतिष्ठा से भी जुड़ा है, क्योंकि ट्रस्ट दान के प्रबंधन को लेकर लगातार हो रही जांच-पड़ताल के बाद अपना नियंत्रण दिखाना चाहता है।

यह पहली बार है जब ट्रस्ट की बैठक राम मंदिर परिसर के अंदर ही हो रही है। इससे पहले की बैठकें अयोध्या धाम में मणिराम दास छावनी में हुई थीं। बैठक की जगह बदलने को गोपनीयता बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि दान की चोरी के आरोपों के बाद इस बैठक पर सबकी नज़रें टिकी हैं।

बीजापुर जिले में सामान्य से कम बारिश

बीजापुर 6 जुलाई। कलेक्टर कार्यालय (भू-अभिलेख शाखा) द्वारा जारी 5 जुलाई 2026 की वर्षा रिपोर्ट के अनुसार बीजापुर जिले में अब तक 257.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो पिछले 10 वर्षों के औसत 312.7 मिमी का 82.5 प्रतिशत है। जिले में 1 जून से 5 जुलाई तक कुल 1547.5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार कुटरू तहसील में सामान्य से अधिक 109.1 प्रतिशत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि भैरमगढ़ में 99.3 प्रतिशत वर्षा हुई। दूसरी ओर उसूर तहसील में केवल 95.6 मिमी वर्षा दर्ज हुई है, जो सामान्य का मात्र 35 प्रतिशत है और जिले में सबसे कम है। तहसीलवार वर्षा 1 जून से 5 जुलाई तक की स्थिति में बीजापुर – 305.0 मिमी, भोपालपटनम – 225.3 मिमी, भैरमगढ़ – 352.5 मिमी, कुटरू – 351.1 मिमी, गंगालूर – 218.0 मिमी, उसूर – 95.6 मिमीरिपोर्ट के अनुसार रविवार (5 जुलाई) को जिले में 136.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिसमें सबसे अधिक 40.0 मिमी वर्षा गंगालूर तहसील में रिकॉर्ड की गई। लगातार कम वर्षा वाले क्षेत्रों, विशेषकर उसूर और भोपालपटनम में किसानों की चिंता बढ़ सकती है, जबकि मौसम विभाग और प्रशासन आगामी दिनों में मानसून की सक्रियता पर नजर बनाए हुए हैं।

तीजन बाई के नाम पर होगा गनियारी का शासकीय स्कूल

रायपुर,6 जुलाई। छत्तीसगढ़ की विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई को राज्य सरकार ने विशेष सम्मान देने की घोषणा की है. उनके सम्मान में गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नाम बदलकर "डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी" रखा जाएगा. स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने गनियारी पहुंचकर श्रद्धांजलि सभा के दौरान यह घोषणा की.

एलआईसी कार्यालय में सुरक्षाकर्मी ने लगाई फांसी

कोरबा,6 जुलाई। कलेक्टोरेट के बगल में स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय के अंदर सुरक्षाकर्मी की फांसी के फंदे पर लटकती लाश मिलने से हड़कंप मच गया. मृतक विनोद सोनवानी नाइट शिफ्ट में ड्यूटी कर रहा था. जानकारी के अनुसार, सोमवार की सुबह फोन नहीं उठाने पर मृतक के पिता ऑफिस तब फांसी लगाए जाने का खुलासा हुआ. घटना की सूचना मिलते ही ऑफिस के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे, साथ ही पुलिस को सूचना दी गई. जांच के लिए पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर मिले आपत्तिजनक सामान को जब्त करने के साथ आगे की कार्रवाई में जुट गई.

27 लोगों की मौत के जिम्मेदार को क्लीनचिट

■ तरुण छत्तीसगढ़

बिलासपुर,6 जुलाई. छत्तीसगढ़ बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में एक डॉक्टर नहीं मौत का सौदागर आया था। नाम है डॉक्टर नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ नरेंद्र जॉन केम के इलाज से 27 लोगों की मौत हो गई थी। अपोलो अस्पताल प्रबंधन ने उसे नौकरी पर रखा था। उनके ऑपरेशन से यहां भी मरीजों की मौत हो गई थी। पुलिस जांच में अजीबो-गरीब बात सामने आई है। जिसने फर्जी डॉक्टर को नौकरी दी और जिसके इलाज से लोगों की मौत हुई, उसी अस्पताल प्रबंधन को पुलिस ने क्लीन चिट दे दी है। फर्जी डॉक्टर केम ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ला का ऑपरेशन किया था। ऑपरेशन के कुछ दिनों बाद उनकी मृत्यु हो गई। जिस डॉक्टर को अपोलो प्रबंधन ने विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में नियुक्ति दी और लोगों का ऑपरेशन किया और ऑपरेशन के दौरान मरीजों की मौत भी हो गई। पुलिस ने जांच के बाद फर्जी डॉक्टर को नियुक्ति देने वाले अपोलो अस्पताल प्रबंधन को क्लीन चिट दे दी है। पूर्व स्पीकरण स्व राजेंद्र प्रसाद शुक्ला के बेटे डॉ प्रदीप शुक्ला ने पुलिस जांच पर सवालिया निशान उठाते हुए न्याय की गुहार लगाते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। डॉ प्रदीप शुक्ला ने कहा है, इसके लिए वे अदालत का दरवाजा भी खटखटाएंगे। छत्तीसगढ़ बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में वर्ष 2005-2006 के दौरान पदस्थ रहे फर्जी डॉक्टर नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ नरेंद्र जॉन केम के इलाज से 27 लोगों की मौत हो गई थी। 270 लोगों की जान जोखिम में पड़ गई। इस मामले में दमोह से डॉक्टर की पिछले साल गिरफ्तारी के बाद पं. शुक्ल के बेटे ने फर्जी डॉक्टर की पहचान की थी। उन्होंने फर्जी डॉक्टर के साथ ही अपोलो प्रबंधन पर कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। इस मामले में पुलिस और अभियोजन अधिकारियों ने अदालत में चालान पेश करने से पहले ही अस्पताल प्रबंधन को क्लीन चिट दे दी है। पुलिस का दावा है कि प्रबंधन या चयन समिति द्वारा किसी आपराधिक षड्यंत्र के तहत जान-बूझकर आरोपी को नियुक्त करने का कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला है।

आईएमए के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. किरण देवरस की जांच में खुलासा हुआ था कि अपोलो के मद्रास हेड ऑफिस से वेरिफिकेशन के बाद प्रबंधन को डॉक्टर की एमबीबीएस और लंदन की एमआरसीपी डिग्रियों के फर्जी होने का पता पहले ही चल गया था, फिर भी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई।अपोलो अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को नियुक्ति के संबंध में सिर्फ आरोपी का बायोडाटा सौंपा है।

स्व. पं. राजेंद्र प्रसाद शुक्ला के बेटे डॉ. प्रदीप शुक्ला ने कहा कि एक चपरासी की नियुक्ति भी उसके दस्तावेजों के वेरीफिकेशन के बाद की जाती है, लेकिन अपोलो प्रबंधन ने एक डॉक्टर को बिना वेरिफिकेशन के नौकरी पर रख लिया था। पूरी तरह जिम्मेदार होने के बाद भी पुलिस का अपोलो प्रबंधन को क्लीन चिट देना समझ से परे हैं। डॉ प्रदीप शुक्ला ने पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है।

नकटी गांव के पीड़ितों के लिए कांग्रेस करेगी बड़ा आंदोलन

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,6 जुलाई। नकटी गांव के प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस आने वाले दिनों में बड़े आंदोलन की तैयारी में है. जांच समिति की बैठक में चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति पर मंथन किया गया. इस दौरान प्रशासनिक कार्रवाई की समीक्षा की भी गई. अब प्रेस कॉन्फ्रेंस से लेकर लोकभवन में प्रदर्शन तक की तैयारी है. वहीं कांग्रेस मुख्यमंत्री निवास का घेराव भी कर सकती है. कांग्रेस ने पूरे घटनाक्रम के तथ्य सबसे पहले जनता के सामने रखने की रणनीति बनाई है. दोषी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की जाएगी. साथ ही राज्यपाल से हस्तक्षेप का आग्रह करेगी और लोकभवन में प्रदर्शन भी करेगी.वहीं मुख्यमंत्री निवास घेराव भी किया जा सकता है. इसके साथ ही कांग्रेस प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, उचित मुआवजे और दर्ज प्रकरणों की वापसी की मांग को लेकर भी लड़ाई लड़ेगी. प्रदेश कांग्रेस कमेटी जांच दल के सदस्य भावेश बघेल ने कहा कि सम्मानपुर-नकटी की घटना केवल गरीब परिवारों के आशियाने उजाड़ने की घटना नहीं है, बल्कि यह इंसानियत, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को शर्मसार करने वाली घटना है. बुलडोजर कार्रवाई के बाद मलबे में बेजुबान जानवरों और गौ माता के दबे होने की जानकारी सामने आई, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है. यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन शासन का जीवंत उदाहरण है.

उन्होंने कहा कि जो भाजपा सरकार हर मंच से सनातन संस्कृति, गौ माता की सेवा और संरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें करती है, उसी के शासन में गौ माता तक सुरक्षित नहीं हैं. गरीबों के घरों के साथ बेजुबान पशुओं का भी इस तरह मलबे में दब जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है. भाजपा सरकार को इस पूरे घटनाक्रम की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए. जनता आज भाजपा की कथनी और करनी का अंतर साफ़ देख रही है.

भावेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवारों को अकेला नहीं छोड़ेगी.

ट्रांसफर के बाद रिलीविंग रोकने नियम नहीं: हाई कोर्ट

■ तरुण छत्तीसगढ़

बिलासपुर। 6 जुलाई. छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच ने सरकारी कर्मचारियों के तबादलों और उनकी रिलीविंग को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है, यदि किसी कर्मचारी का स्थानांतरण एक अनुसूचित क्षेत्र से दूसरे अनुसूचित क्षेत्र में हुआ है, तो विभाग 'विकल्प नहीं मिलने' का बहाना बनाकर उसकी रिलीविंग नहीं रोक सकता। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को 20 दिनों के भीतर कार्यमुक्त करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया है। छत्तीसगढ़ नारायणपुर जिले में पदस्थ रेडियोग्राफर चंद्रशेखर मंडावी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया है, वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओरछा (नारायणपुर) में रेडियोग्राफर के पद पर कार्यरत है। उसका तबादला 26 जून 2025 को सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र, आमाबेड़ा (कांकेर) किया गया था। आदेश जारी होने के एक साल बाद भी विभाग उसे कार्यमुक्त नहीं कर रहा है जिसके चलते वह नई जगह पर ज्वाइन नहीं कर पा रहा है। सुनवाई के दौरान राज्य शासन के अधिवक्ता ने सरकारी परिपत्र 07 जनवरी 2026 का हवाला देते हुए कहा, याचिकाकर्ता को इसलिए रिलीव नहीं किया गया क्योंकि उनकी जगह पर अभी तक कोई दूसरा कर्मचारी (एवजी) नहीं आया है। शासन के मुताबिक, नीति यह है कि अनुसूचित क्षेत्र के पदों को खाली नहीं छोड़ा जा सकता। याचिका की सुनवाई जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच में हुई। कोर्ट ने कहा है, इस सर्कुलर के तहत रिलीविंग पर रोक केवल तब लागू होती है, जब किसी कर्मचारी का तबादला अनुसूचित क्षेत्र से गैर-अनुसूचित क्षेत्र में किया जा रहा हो। याचिकाकर्ता का ट्रांसफर ओरछा (नारायणपुर) से आमाबेड़ा (कांकेर) हुआ है, और यह दोनों ही स्थान छत्तीसगढ़ के 'अनुसूचित क्षेत्र' के अंतर्गत आते हैं। इसलिए विभाग इस नियम की गलत व्याख्या करके कर्मचारी को रोक नहीं सकता।

चोरी के मामले में पूछताछ के दौरान महिला फरार

बालोद,6 जुलाई। पुलिस हिरासत से चोरी के मामले में पूछताछ के लिए लाई गई महिला के फरार होने के मामले में पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई की है।

ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने वाले तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विभागीय जांच में पुलिस अभिरक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। मिली जानकारी के अनुसार, बालोद शहर के नयापारा क्षेत्र में करीब दो लाख रुपये की चोरी के मामले में पुलिस ने रेखा सोरी को हिरासत में लिया था।

बारिश से किसानों को राहत मिली है लेकिन कांग्रेस उसे नहीं पचा पा रही:साव

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,6 जुलाई। प्रदेश में बारिश के बाद जलभराव की स्थिति पर कांग्रेस के आरोप पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि किसानों को राहत मिली है, लेकिन कांग्रेस उसे भी नहीं पचा पा रही. बारिश होगी तो कुछ स्थानों पर जलभराव भी होगा. प्रशासन पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है, और जलभराव की स्थिति जल्द सामान्य हो जाएगी. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने चिंतन शिविर को लेकर मीडिया से चर्चा में कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, भारत सरकार के अधिकारियों, नीति आयोग के प्रतिनिधियों और समाज के कई महत्वपूर्ण लोगों का मार्गदर्शन मिला, इससे सरकार के नीति निर्धारण में बड़ा लाभ होगा. शासन प्रणाली कैसी होनी चाहिए, योजनाएं कैसे बनाई जाएं और प्रशासन को किस दिशा में काम करना चाहिए. इन सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई. उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती पर दो दिनों तक मंथन हुआ. इससे कम लागत में बेहतर खेती और रासायनिक खेती के नुकसान को समझने का अवसर मिला, पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य की अर्थव्यवस्था में उसके योगदान पर भी चर्चा हुई मंत्रियों ने भी अपनी जिज्ञासाएं रखीं, इसका लाभ पूरे प्रदेश को मिलेगा.वहीं चिंतन शिविर को लेकर कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर किए गए पोस्ट पर अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस की स्थिति यही है कि सत्ता में रहते समय वह भ्रष्टाचार में व्यस्त रहती है, और सत्ता से बाहर होने पर दूसरी बातें याद आती हैं.

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट

रायपुर,6 जुलाई। छत्तीसगढ़ में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। पिछले दो दिनों से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। बारिश का दौर अगले कुछ दिनों तक जारी रहने की संभावना है। इस बीच मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, बेमेतरा और बालोद जिलों के कुछ क्षेत्रों में अगले कुछ घंटों के दौरान भारी बारिश, तेज गर्जना, आकाशीय बिजली और तेज आंधी चलने की संभावना है। इन जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने सूरजपुर, सरगुजा (अंबिकापुर), जशपुर, कांकेर, कोरिया, कोरबा, रायगढ़, बलरामपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कबीरधाम, राजनांदगांव,

महासमुंद, गरियाबंद और धमतरी जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ मध्यम से तेज बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। वहीं नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों में हल्की से मध्यम बारिश, तेज हवा और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका के चलते येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। विशेषकर आकाशीय बिजली, तेज हवा और भारी बारिश के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की अपील की गई है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिला प्रशासनों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोगों और निचले इलाकों में रहने वाले नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है।

अंतर्राष्ट्रीय खेल पत्रकार दिवस: प्रेस क्लब रायपुर में हुआ पत्रकारों का सम्मान

कैरियर बनाना है तो स्वीकार करनी होगी चुनौती

जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार
टीवी कमेंटेटर, रायपुर, छ ग .

एक दूसरे के बारे में जानना, एक दूसरे को समझना, समाज में विभिन्न राष्ट्रों की गतिविधियों की जानकारी देना, एक दूसरे की जीवन शैली रहन-सहन, खान-पान से अवगत होने के लिए जो प्रक्रिया अपनाई जाती है वस्तुतः वही पत्रकारिता की

ओर आगे बढ़ने का पहला कदम होता है। अब विभिन्न क्षेत्रों की विषयों की जानकारी का आदान प्रदान पत्रकारिता की जड़ों को मजबूती प्रदान कर रहा है। 02 जुलाई को रायपुर प्रेस क्लब में अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर खेल पत्रकारों का सम्मान किया गया . निश्चित रूप से यह आयोजन युवा पीढ़ी को खेल पत्रकारिता में आगे आने के लिए मददगार साबित होगा।पत्रकारिता का आरंभ प्राचीन रोम में ईसा पूर्व 59 से माना जाता है। जब सार्वजनिक स्थानों पर राजाओं /शासकों द्वारा जनता के लिए सूचना लटका दी जाती थी जिसे एक्टा डायर्ना कहते हैं।फिर लंबे अंतराल के बाद 15 वीं सदी में जर्मनी के जोहानन गुटोनबर्ग द्वारा विश्व के पहले प्रिंटिंग प्रेस का अविष्कार किया गया . जिसकी वजह से सभी सूचनाओं को एक ही जगह संकलित करके प्रकाशित करने की परंपरा की शुरुवात हुई.जिससे 1609 में जर्मनी से पहले नियमित समाचार पत्र के प्रकाशित होने का रास्ता साफ हुआ। मनुष्य की इस अभिलाषा ने कि उन्हें और अधिक विषयों, स्थानों, राजघरानों, शासकों की नवीनतम जानकारी प्राप्त हो , ब्रिटेन में पहली बार 1622 में साप्ताहिक समाचार का प्रकाशन हुआ। भारत में अंग्रेजी पत्रकारिता की शुरूआत का श्रेय जेम्स आगस्टस हिक्की को जाता है। उन्होंने 1780 में कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर (बंगाल गट) का प्रकाशन शुरू किया। 1819 में संवाद कौमुदी का बंगाली भाषा में प्रकाशन हुआ। यह प्रथम भारतीय भाषायी पत्रकारिता का प्रमाण माना जाता है।जिसे राजा राममोहन राय ने निकाला था। भारत में हिन्दी पत्रकारिता की शुरूवात पंडित जुगल किशोर शुक्ला द्वारा 30 मई 1826 को निकाले गये पहले समाचार पत्र'उदंत मार्तण्य' के माध्यम से हुआ। विश्व में 18 वीं सदी से साक्षर लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तब 19 वीं सदी के अलग-अलग विषय पर जानकारी की मांग होने लगी .1896 में एथेंस में आधुनिक ओलंपिक खेलों के आरंभ होने के साथ खेल संबंधी जानकारी कीर्तिमान आदि का महत्व बढ़ गया। कृषि, उद्योग, व्यापार, प्रथम विश्वयुद्ध ,स्वास्थ्य शिक्षा आदि से संबंधित बढ़ती जानकारी ने खेल समाचार संकलन करने वालों के मन मस्तिष्क में खेल पत्रकारिता के पृथक रूप से प्रकाशन का इच्छा हुई और आखिरकार 1924 में पेरिस ओलंपिक के दौरान 2 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रेस संघ का गठन हुआ। जिसकी 70वीं वर्षगांठ 1994 में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन द्वारा मनाई गई। उसी दिन से प्रत्येक वर्ष 2 जुलाई को विश्व खेल पत्रकार दिवस मनाया जाता है। 21 वीं सदी में इलेक्ट्रानिक मीडिया रेडियो, टेलीविज, सोशल मीडिया,डिजिटल माध्यम के साथ प्रिंट मीडिया ने खेल पत्रकारिता में क्रांति ला दी है। अब चूंकि घर बैठे,चलने फिरने पूरे संसार में चल रहे किसी मैच को देखा जा सकता है।अतः खेल पत्रकारिता का महत्व बढ़ गया है। ओलंपिक,फीफा सहित क्रिकेट विश्वकप खेल के जीवंत प्रसारण के लिए करोड़ों रुपये की प्राप्ति मीडिया राइट्स के द्वारा होने लगी है। मैच के कवरेज के लिए फोटो खेल पत्रकार, कैमरामैन, इंजीनियर आकड़ा उपलब्ध कराने वाले, कमेंटेटर व सहयोगियों की जरूरत होती है। इसलिए खेल पत्रकारिता का महत्व बढ़गया है। आज खेल पत्रकार को आधुनिक तकनीक की जानकारी होना जरूरी है। प्रतियोगिता के दौरान मैच के कवरेज में साथ चलने वाले खेल पत्रकार को जोखिम भी बहुत उठाना पड़ता है। अंतर्राष्ट्रीय खेल पत्रकार दिवस का मुख्य उद्देश्य निष्पक्षता और नैतिकता को बढ़ावा देना है। इसलिए 2026 के अंतरराष्ट्रीय खेल पत्रकार दिवस का विषय " ईमानदारी और प्रभाव के साथ रिपोर्टिंग " अर्थात खेल की तरह पत्रकारिता में भी फेयर प्ले का समर्थन है .युवाओं को यह बताना आवश्यकता की कि कैरियर बनाने के लिए खेल पत्रकारिता का भविष्य उज्जवल है अतः युवाओं को इसे चुनने के लिए प्रेरित करना भी अंतर्राष्ट्रीय खेल पत्रकारिता दिवस का उद्देश्य है।खेल पत्रकार खेल और खिलाड़ियों के बीच सेतु का काम करता है जिससे दोनों के आपस न संबंध बने रहते हैं . इसके अलावा एक खेल पत्रकार समाज को नई दिशा देता है जिसमें , खेल का जीवन में महत्व, खेल से समय की पाबंदी, खेल से अनुशासन , खेल में हार से फिर जितने की हिम्मत बढ़ाना आदि का कार्य करता है .अतः खेल पत्रकार को सम्मान और प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता है जो आज का दिन हम सब को सिखाता है .

भारी बारिश के बीच भिलाई निगम मुस्तैद, आयुक्त ने टीम के साथ किया जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाईनगर,6 जुलाई । नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में हो रही लगातार भारी बारिश के मद्देनजर आम नागरिकों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए निगम प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय स्वयं अपनी तकनीकी और मैदानी टीम के साथ शहर के बड़े नालों और संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों का लगातार सघन निरीक्षण कर रहे हैं। जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यकतानुसार भारी मशीनरी और वृहत कार्यबल को मैदान में उतारा गया है।

आयुक्त के निर्देशानुसार सभी जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी एवं उनकी आपातकालीन टीमें लगातार क्षेत्र में मौजूद हैं। जलभराव की किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे शहर के हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं। भारी बारिश के कारण नदी-नालों में बहकर आए कचरे और लकड़ियों को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। कोसानाला, तेलहा नाला, इन्दु आई.टी. नाला सहित शहर की अन्य छोटी-बड़ी नालियों में फंसे

मलबे, लकड़ियों और कचरे को जेसीबी मशीनों तथा अतिरिक्त सफ़ाई कर्मियों (मानवबल) के माध्यम से तत्काल साफ किया जा रहा है, ताकि पानी की निकासी बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से हो सके। सभी स्थानीय पार्षद अपने कार्यक्षेत्र में सक्रिय नजर आए, जिससे आपात स्थिति निर्मित न हो। निगम प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी आपातकालीन स्थिति या जलभराव की सूचना तुरंत निगम के आपदा राहत प्रकोष्ठ या संबंधित जोन कार्यालय में दें, ताकि समय रहते त्वरित कार्रवाई की जा सके।

यातायात बुरी तरह प्रभावित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई,6 जुलाई। राज्य में पिछले दो दिनों से रुक-रुककर हो रही लगातार बारिश का असर अब जनजीवन और यातायात व्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है। कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई है। रायपुर-दुर्ग नेशनल हाईवे पर कुम्हारी ओवरब्रिज के समीप चंदनडीह क्षेत्र में भारी जलभराव होने से यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया है। पानी भरने के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई है, जिससे इस मार्ग पर लंबा जाम लग रहा है और यात्रियों को आवागमन में काफी विलंब का सामना करना पड़ रहा है।स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बनाने वाला पहलू यह है कि निर्माण कार्य के चलते भिलाई-3 का सिरसा गेट मार्ग फिलहाल पूरी तरह बंद है। ऐसे में इस मार्ग का उपयोग वैकल्पिक रास्ते के रूप में भी नहीं किया जा सकता।यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए दुर्ग यातायात पुलिस ने प्रभावित क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है। पुलिस लगातार यातायात की निगरानी कर रही है तथा आवश्यकता के अनुसार डायवर्सन लागू किया जा रहा है, ताकि वाहनों का दबाव कम किया जा सके।दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि रायपुर की ओर यात्रा करने से पहले पर्याप्त समय लेकर घर से निकलें और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें। निर्माण कार्य के कारण बंद सिरसा गेट मार्ग से जाने का प्रयास न करें। पुलिस ने लोगों से यातायात पुलिस के निर्देशों और डायवर्सन व्यवस्था का पालन कर सुरक्षित एवं सुगम यातायात बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। बारिश जारी रहने की स्थिति में प्रशासन ने लोगों से मौसम और यातायात की ताजा जानकारी लेकर ही यात्रा करने की सलाह भी दी है।

एक नजर

गबन के मामले में दो गिरफ्तार

दुर्ग, 6 जुलाई (तछसं.)। दुर्ग धमधा टीआई महेश ध्रुव ने बताया कि 4 जुलाई को प्रार्थी अशोक कुमार वर्मा ने थाना धमधा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उनकी संस्था सेव फाइनेंशियल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड का सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के साथ अनुबंध है इसके माध्यम से महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराया जाता है ऑडिट के दौरान धमधा शाखा में पदस्थ शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारियों ने ग्राहकों से प्राप्त ऋण राशि, किस्त एवं लोन क्लोजर की राशि कंपनी में जमा नहीं किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई। कंपनी ने संबंधित कर्मचारियों को नोटिस जारी कर राशि जमा करने का अवसर दिया गया, किन्तु उनके द्वारा न तो राशि जमा की गई और न ही नोटिस का कोई उत्तर दिया गया। विस्तृत ऑडिट में पाया गया कि शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारियों ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत कुल 267 ग्राहकों से प्राप्त 1,11,93,173 रुपये की राशि का गबन कर धोखाधड़ी की है। शिकायत की जांच उपरांत थाना धमधा में धारा 316(5), 318(4), 61(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई विवेचना के दौरान आरोपियों की तलाश कर दो आरोपियों अनिल विश्वकर्मा (23 साल) निवासी साजा, जिला बेमेतरा व संदीप कुमार खूंटीहरे (31 साल) निवासी पाटन, जिला दुर्ग को हिरासत में लेकर पूछताछ की, उन्होंने अपराध करना स्वीकार किया दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया प्रकरण के अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है ।

पुलिस ने 6 लोगों को किया गिरफ्तार

दुर्ग, 6 जुलाई (तछसं.)। दुर्ग पुलिस के विशेष वारंट तामील अभियान के तहत थाना सुपेला पुलिस ने 4 स्थायी वारंटियों और 2 गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार किया सभी आरोपियों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। सुपेला थाना पुलिस ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर न्यायालय से जारी लंबित वारंट वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में खेमराज यादव, कमलेश यादव, मो. अलीम कुरैशी और शेबू खान स्थायी वारंटी हैं। वहीं खेमचंद पिपरोल उर्फ हेमचंद तथा शिव खुटेल के खिलाफगिरफ्तारी वारंट लंबित थे पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई में कोई जब्ती नहीं हुई है ।

गांजा बेचने वाला गिरफ्तार

भिलाई, 6 जुलाई (तछसं.)। भिलाई खुर्सीपार टीआई आनंद शुक्ला ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि जीरो पॉइंट गार्डन सेट के नीचे, केनाल रोड खुर्सीपार भिलाई में एक व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा की बिक्री कर अवैध लाभअर्जित कर रहा है सूचना मिलते ही थाना खुर्सीपार पुलिस मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, उसे घेराबंदी कर पकड़ा पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नीरज सिंह (26 साल) निवासी दुर्गा मंदिर के पास वार्ड क्रमांक 46, जोन-03 खुर्सीपार बताया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से बिक्री के लिए रखा गया 01 किलो 790 ग्राम गांजा, बिक्री राशि एवं एक मोबाइल बरामद किया है।

जांच में 12 स्कूली बसों में मिली खामी

भिलाई, 6 जुलाई (तछसं.)। भिलाई

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) ऋचा मिश्रा ने बताया कि भिलाई - दुर्ग के 16 शैक्षणिक संस्थान के 201 बसों की जांच की जांच के दौरान यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग ने खामियां मिलने पर कुल 12 स्कूली बसों में खामियां मिली वहीं चालक-परिचालक के स्वास्थ्य संबंधी जांच में 41 चालको को बीपी की शिकायत पायी गई >

लोककला का एक स्वर्णिम अध्याय हुआ समाप्त, तीजन बाई का निधन पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक क्षति:कीर्ति नायक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 6 जुलाई। गनियारी दुर्ग भारत रत्न एवं पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ.तीजन बाई के निधन पर जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे छत्तीसगढ़ ही नहींए बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक और लोककला परंपरा के लिए अपूरणीय क्षति बताया।श्रीमती कीर्ति नायक दिवंगत लोककला की महान साधिका को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके गृह ग्राम गनियारी पहुंचींए जहां उन्होंने पार्थिव देह के दर्शन कर पुष्प अर्पित किए तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इसके पश्चात वे मुक्तिधाम पहुंचींए जहां अंतिम संस्कार एवं शोक सभा में शामिल होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री माननीय गजेन्द्र यादव जीए दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल जीए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर जीए धरसीवा विधायक अनुज शर्मा जीए अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सवाड़ा जी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कलाकार, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।श्रीमती कीर्ति नायक ने कहा

कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा और अथक साधना से पंडवानी लोककला को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई। उनका जीवन भारतीय संस्कृतिए लोक परंपराओं और छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विरासत को समर्पित रहा। उनके अमूल्य योगदान को देश सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्मरण करता रहेगा।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवारए कला जगत और उनके असंख्य प्रशंसकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

मनीष पांडेय ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन और भिलाई,छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई,6 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग, भिलाई के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने 10 श्रद्धालुओं के दल के साथ पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर बाबा बर्फानी के दर्शन किए। लगभग दो दिनों तक चली 36 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी करने के बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर भिलाई सहित समस्त छत्तीसगढ़वासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

पाण्डेय ने बताया कि अमरनाथ यात्रा आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम है। कठिन चढ़ाई और

चुनौतीपूर्ण मार्ग के बावजूद बाबा बर्फानी के दर्शन का अनुभव अविस्मरणीय रहा। यात्रा के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात हुई और सभी में भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा एवं उत्साह देखने को मिला।उन्होंने यात्रा के दौरान किए गए सुरक्षा प्रबंधों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ एवं प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई हैं। पूरे यात्रा मार्ग में चिकित्सा, विश्राम, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुव्यवस्थित रहीं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।उन्होंने कहा कि बाबा बर्फानी की कृपा से यह यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास का भी संदेश देती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा सुरक्षित एवं अनुशासित यात्रा करने की अपील की।

नवीन शैक्षणिक सत्र में समग्र शिक्षा अभियान

भिलाई। नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर सामाजिक संगठन गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी संजीवनी बालिका आवासीय छात्रावास, दुर्ग में छात्राओं के लिए स्कूल बैग, नोटबुक एवं स्टेशनरी का वितरण किया। इस अवसर पर वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से जरूरतमंद छात्राओं को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना, शिक्षा के प्रति उनका आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। उपस्थित अतिथियों ने छात्राओं को नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए लगन, अनुशासन एवं निरंतर परिश्रम के साथ शिक्षा प्राप्त करने का संदेश दिया।

उतई में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की बैठक में कार्यकर्ताओं को दिया डिजिटल प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 6 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी उतई मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के तहत डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म की बैठक उतई रेस्ट हाउस में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष एवं संचालन महामंत्री प्रवीण कुमार यदु ने किया आभार नगर भाजपा अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण साहू ने किया

तकनीक से जुड़ेगा कार्यकर्ता, तभी मजबूत होगा बूथ

बैठक को संबोधित करते हुए दुर्ग मुख्य वक्त मंडल के बैठक प्रभारी जिला सहकारी केंद्री बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने कहा,पंडित दीनदयाल उपाध्याय का %एकात्म मानववाद%और अंत्योदय% का विचार ही भाजपा की आत्मा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के डिजिटल इंडिया विजन को बूथ स्तर तक ले जाने के लिए हर कार्यकर्ता का तकनीकी रूप से दक्ष होना जरूरी है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मेरा बूथ सबसे मजबूतअभियान की समीक्षा किया गया। और तय किया गया कि प्रत्येक बूथ पर 10 सदस्यीय डिजिटल टीम बनाई जाएगी।इस अवसर पर मंडल महामंत्री चंदू देवांगन,उतई नगर पंचायत अध्यक्ष सरस्वती साहू,नगर पंचायत उपाध्यक्ष शिवनारायण देशमुख,फत्तेलाल वर्मा,विमला कामड़े,सोनू राजपूत,सतीश चंद्राकर, लता सोनवानी,अनिता गढ़े,रंजना चंद्राकर,मंजू वर्मा,पूजा चंद्राकर,दुलारी देशलहरे,करण सेन,शुभम वर्मा,हर्ष चंदेल,घनश्याम चंद्राकर,राकेश देवांगन,वैभव देवांगन,योगेश साहू,फलेंद्र सिंह राजपूत,गिरीश शर्मा,जितेंद्रसोनी,शुभम सोनी,नेमन साहू,देवेंद्र भारती,दनेश्वर यादव,दौलत यादव,हरीश यादव,शशिकांत वर्मा,भीमसेन सिन्हा,रूपेश पारख, भूपेंद्र साहू,यश देशमुख,डीकेश वर्मा,दनेश्वरी देशमुख,दीपक यादव,सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्त्तागण उपस्थित रहें।

समाचार संक्षेप

शासकीय हाई स्कूल नेउर गांव कला में शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,6 जुलाई। शासकीय हाई स्कूल नेउर गांव कला में शाला प्रबन्धन समिति अध्यक्ष केदार पटेल , पूर्व जनपद सदस्य संजय पटेल , जनपद सदस्य प्रतिनिधि रोहित चंद्रवंशी , आशु चंद्रवंशी , प्राचार्य अशोक वर्मा ओर टीचर्स एवं बच्चों , पालकों की उपस्थिति में शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया । बच्चों को गुलाल लगाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया एवं बच्चों को पुस्तके वितरित की गई । एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया ।

जामुल मंडल में डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जामुल,6 जुलाई। मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता के नेतृत्व में शक्तिकेन्द्र दुर्गा मंदिर में जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती सादगी से मनाई गई। इस कार्यक्रम में मुख्यरूप से जिला उपाध्यक्ष और संघठन मंडल प्रभारी पूनम शुक्ला, सहप्रभारी भारती साहू, जनप्रिय प्रदेश नेता रेखराम बंछोर, जिला सह कोषाध्यक्ष हेमंत देवांगन, महामंत्री द्वय ओमप्रकाश साहू, ध्रुव देवांगन, आर्थिक प्रकोष्ठ से दीपक सिंह, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ से राजेन्द्र चौहान, वरिष्ठ कार्यकर्ता नूतन वर्मा, पूर्व पार्षद मेघनाथ साहू, मोर्चा अध्यक्ष बी आर रामटेके, मीडिया प्रभारी से लल्लन सिंह, शिव वर्मा, जगदीश देवांगन, बजरंग सिन्हा, यशवंत राजपूत, नटवर वर्मा, नारायण गौतम, महिपाल ठाकुर, तीर्थ यादव, राधे यादव सहित अति बारिश में भी निष्ठावान कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

मचांदुर में शाला प्रबंधन समिति का गठन कर मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 6 जुलाई। प्राथमिक ,मिडिल व हाई हायर सेकंडरी स्कूल में नवीन कक्षाओं में आने वाले बच्चों को गुलाल लगाकर,मिठाई खिलाकर, पुस्तक,कपड़े आदि वितरण कर शाला प्रवेश की बधाई दिया गया।* ग्राम प्रधान युगल किशोर साहू ने कहा-शासन के आदेशानुसार पालक-बालक व शिक्षकों के बीच की कड़ी है । इस अवसर पर सरपंच संघ अध्यक्ष व ग्राम प्रधान युगल किशोर साहू,उपसरपंच दुष्यंत कुमार साहू, जन भागीदारी पूर्व अध्यक्ष नवाब खान,भाजपा महामंत्री प्रवीण यदु,सोसाइटी अध्यक्ष फलेंद्र सिंह बैस,प्राचार्य वर्मा मैम ,चौधरी सर, सिंह सर,रात्रे सर,कल्पना मैम सहित स्टाफ,प्रधानाचार्य पूर्णिमा साहू,दुलारी ठाकुर,अंजू गोस्वामी सहित स्टाफ पंच गणपत साहू,मंशाराम राम साहू,भारती यादव, उत्तरा गोस्वामी,आशा पटेल,कौशिल्या साहू,विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पालक शिव कुमार साहू,तोरण लाल साहू,गोकुल यादव, विश्वनाथ साहू,विजय शर्मा,लिकेश्वर साहू,लक्ष्मीनारायण रात्रे,रूपेंद्र देवांगन,राजेन्द्र साहू,महेश कुमार साहू,दयालु राम यादव, तारिणी देवांगन,संगीता देवांगन सहित अधिक संख्या में पालक गण उपस्थित रहे।

भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ, जिला भिलाई की नई टीम घोषित, प्रमुख पदों पर अहम नियुक्ति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 6 जुलाई। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ जिला भिलाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देशन प्रदेश संयोजक कांतिलाल जैन के मार्गदर्शन एवं जिला संगठन प्रभारी श्रीरामजी भारती एवं जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन की सहमति से जिला संयोजक विनोद उपाध्याय द्वारा की गई । नई टीम में सूर्यकान्त पाण्डेय अम्बिका द्विवेदी श्रीमती नीता चौरसिया ,अरुण नायर, डॉ. अनु राणा को सह संयोजक की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है । वहीं डाकेश्वर परगनिहा तथा रजनीकांत

अग्रवाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। मीडिया क्षेत्र में गुरुनाम सिंह को जिला मीडिया प्रभारी एवं कृष्ण कुमार सिंह कोजिला आईटी सेल प्रभारी एवं मृत्युंजय द्विवेदी को जिला सोशल मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया है । श्री राकेश ओझा तथारिकी अग्रवाल एवं बिमलेश्वर पांडे कोक्रमशःसह सोशल मीडिया प्रभारी-सह मीडिया प्रभारी तथा आईटी सेल सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गयी है । संगठन को मजबूत करने के लिए गोविन्द वर्मा को कार्यालय प्रभारीएवं महेश वर्माको कार्यालय सह प्रभारी नियुक्त किया गया है । जिला कार्यसमिति सदस्य एवं मंडल संयोजक में भी प्रमुख नामों में सुरेश सर गोकुलेश तिवारी विवेक यादव, अजय श्रीवास्तव लोकप्रकाश चौधरी, श्रीमती रश्मि अमितेश, रजनीश सिंह, वैभव लाकुण्डे, राजेश चौबे, इसी अफजल अहमद श्री अमित सिंह श्रीमती सोनाली माधवन, श्रीराम जितेन्द्र तिवारी गानेन्द्र सिंह, श्रीमती सीमा कन्नौजे श्रीमती उर्वशी वर्मा, श्री राघवेंद्र साहू श्री शीतल दुबे श्रीशुभम त्रिपाठी श्रीदेवदत्त शर्माबीपी सिंह, तारकेश्वर, राजगुप्ता, सत्येन्द्र गुप्ता, अनिल विश्वकर्मा श्रीप्रकाश नायक। विष्णु राजपूत, श्रीगंगाराम साहू, श्री नरेंद्र निषाद, श्री छत्रपाल साहू श्रीमती सरिता चौबे श्री राकेश वर्मा को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इस टीम से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की उम्मीद है जिला संयोजक विनोद उपाध्याय ने कहा कि नई टीम शिक्षा के क्षेत्र में संगठन की विचारधारा को आगे बढ़ाने और संवाद में जागरूकता फैलाने का कार्य करेगी। वहीं, जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा जताई।

डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

दुर्ग,6 जुलाई। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों का प्रोत्साहित करने एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष 2026 का पुरस्कार वितरण राज्य स्थापना दिवस, 01 नवम्बर 2026 को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में किया जाएगा। इस संबंध में कृषकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

कलेक्टर ने बाढ़ एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी के दिए निर्देश

- अधिकारियों ने किया संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण
- तेज बारिश के बीच जिला प्रशासन अलर्ट

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 6 जुलाई। जिले में लगातार हो रही तेज बारिश को देखते हुए कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सभी संबंधित अधिकारियों को बाढ़ एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि लगातार वर्षा के कारण नदी-नालों के तटवर्ती क्षेत्रों एवं निचले इलाकों में जलभराव की संभावना बनी हुई है। ऐसे में सभी अधिकारी पूर्ण सतर्कता के साथ क्षेत्र का नियमित निरीक्षण करते रहें तथा स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखें। कलेक्टर ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे तेज बारिश के दौरान नदी-नालों एवं तटवर्ती क्षेत्रों में अनावश्यक न जाएं तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा नदी के तटीय क्षेत्रों में लगातार मुनादी कराकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देशानुसार आयुक्त नगर निगम द्वारा राजनांदगांव शहर के जलभराव संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान टिम्बर मार्केट, जिला अस्पताल परिसर, राजीव नगर, ममता नगर, डीएफओ बंगले के पीछे तथा नंदई चौक क्षेत्र का

जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई तथा नालों के ऊपर किए गए अवरोधक निर्माण को हटाकर पानी की निकासी सुचारू कराई गई। वर्तमान में सभी स्थानों पर स्थिति सामान्य है। इसी प्रकार एसडीएम डोंगरगढ़ ने डोंगरगढ़ शहर के केदारबाड़ी एवं वार्ड क्रमांक 3 का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम डोंगरगांव ने ग्राम बगदई, रूदगांव एवं कोहका सहित बाढ़ संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थिति सामान्य पाई गई।

ग्रामीणों से जलभराव वाले क्षेत्रों के समीप अनावश्यक रूप से नहीं जाने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई। सीईओ जनपद पंचायत छुरिया द्वारा भी बाढ़ संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। वर्तमान में क्षेत्र की स्थिति सामान्य है। ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिवों को सतर्क रहने तथा गांवों में मुनादी कराकर लोगों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

समाचार संक्षेप

अशांति फैलाने वाले बदमाश पर पुलिस ने की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 6 जुलाई। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदया वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं नशा मुक्त बनाने हेतु असमाजिक तत्वो के विरूद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत शांति भंग करने वाले बदमाश देवराज वर्मा पिता संतराम वर्मा उम्र 39 साल साकिन शंकरपुर वार्ड नं. 09 पुलिस चौकी चिखली जिला राजनांदगांव छ.ग. द्वारा वाद विवाद कर शांति व्यवस्था भंग कर अप्रीय घटना घटित होने के संभावना पर बदमाश के पृथक धारा 170, 126,

135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर न्यायालय राजनांदगांव पेश कर आदेशानुसार जेल भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, म.प्र.आर वंदना पटले, आर. चन्द्रकपूर आयाम, सुनील बैरागी, आदित्य सोलंकी, गोपाल पैकरा एवं चौकी चिखली स्टाफ का महत्वपूर्ण भूमिका व सराहनीय योगदान रहा है।

एक नजर

गरीबों के आशियानों को उजाड़ दिया भाजपा सरकार ने : देवेश वैष्णव

राजनांदगांव, 6 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। रायपुर के नकटी गांव में मकानों पर हुई बुलडोजर

कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री देवेश वैष्णव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में गरीबों की बस्ती बचाने का निर्णय लिया था जबकि वर्तमान भाजपा सरकार ने उन्हीं गरीब परिवारों के आशियानों को उजाड़ दिया। उन्होंने इसे गरीब विरोधी मानसिकता का परिचायक बताते हुए प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, मुआवजे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। श्री वैष्णव ने रायपुर जिले के नकटी गांव में मकानों पर बुलडोजर चलाए जाने की कार्रवाई को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों के अधिकारों पर सीधा प्रहार है तथा इससे सरकार की गरीब विरोधी सोच उजागर होती है। वैष्णव ने कहा कि नकटी गांव की बस्ती को हटाने का प्रस्ताव तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी आया था लेकिन उस समय के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गरीब परिवारों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का उद्देश्य हमेशा गरीबों के आवास, सम्मान और आजीविका की रक्षा करना रहा जबकि वर्तमान भाजपा सरकार ने उन्हीं परिवारों के आशियानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें बेघर कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत बने मकानों तक को ध्वस्त कर दिया गया।

कर्तव्य में गंभीर लापरवाही पर तत्कालीन पटवारी निलंबित,विभागीय जांच के निर्देश

राजनांदगांव, 6 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पेंड्री स्थित खसरा क्रमांक 368 के राजस्व अभिलेखों में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर तत्कालीन हल्का पटवारी विनोद कुमार मेश्राम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित किए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव ने प्रतिवेदित किया था कि तत्कालीन हल्का पटवारी विनोद कुमार मेश्राम तथा तत्कालीन राजस्व निरीक्षक लेखराम साहू (वर्तमान में मृत) द्वारा ग्राम पेंड्री के खसरा क्रमांक 368 के अधिकार अभिलेख में वास्तविक रकबे से अधिक भूमि दर्ज कर अतिरिक्त रकबा भूमि अर्जन के पश्चात शेष होना प्रदर्शित किया गया। इसके आधार पर तत्कालीन तहसीलदार के समक्ष भूमि अर्जन की कार्रवाई हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया गया था। प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि उक्त खसरे का शेष बचा हुआ रकबा बाद में मूल भूमिस्वामी नारायण लाल, पिता हीरालाल द्वारा विक्रय कर दिया गया, जो विभिन्न अंतरणों के बाद वर्तमान में किसी अन्य के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। प्रकरण की जांच में यह पाया गया कि तत्कालीन हल्का पटवारी विनोद कुमार मेश्राम ने अपने शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरतते हुए मूल अधिकार अभिलेख से अधिक रकबा दर्ज किया, जिसके परिणामस्वरूप अतिरिक्त भूमि शेष होना प्रदर्शित हुई और उसी के आधार पर आगे की राजस्व कार्रवाई संपादित हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तथा विनोद कुमार मेश्राम के विरूद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाही प्रस्तावित होने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत कलेक्टर राजनांदगांव द्वारा उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

महापौर, आयुक्त और निगम अध्यक्ष ने लिया जलभराव क्षेत्रों का जायजा

रात से लगातार बारिश, निगम का अमला सुबह से सक्रिय

- पार्षद सहित तकनीकी व स्वास्थ्य अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में जे.सी.बी. एवं गैंग से सफाई करा कच्ची नाली खोदकर पानी निकाला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 6 जुलाई। कल रात से लगातार बारिश होने पर आज सुबह महापौर मधुसूदन यादव, आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सदस्य शैकी बग्गा पानी भरान क्षेत्र चिखली, इंदिरा नगर, नंदई, बसंतपुर अस्पताल, मोहारा, लखोली सहित शहर में भ्रमण किये एवं शहर के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्र के नाली नालों की सफाई का निरीक्षण कर जेसीबी से नालो में फसे कचरे निकलवा एवं पानी भरान क्षेत्र से कच्ची नाली खोद कर पानी निकासी करवाए। इसी प्रकार वार्डो में पार्षद तथा कार्यपालन अभियंता सहित तकनीकि अधिकारी एवं स्वास्थ्य अमला सुबह से अपने अपने क्षेत्र में पानी निकासी के लिए लगे रहे। कलेक्टर जितेन्द्र यादव भी लगातार मानिटरिंग करते रहे। महापौर यादव एवं आयुक्त विकश्वकर्मा आज अत्याधिक बारिश होने पर शहर के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्रों में पानी भरान की स्थिति का जायजा लिया और पानी भरे क्षेत्रों से जेसीबी के माध्यम से तथा निगम अमला से पानी निकासी कराये। ममता नगर अंडर ब्रिज में पंप लगाकर पानी निकासी कराई गयी। उन्होंने जी.ई.रोड, बसंतपुर जिला अस्पताल, हाट बाजार, नंदई, इंदिरा नगर, राजीव नगर, आर.के.नगर, ममता नगर अण्डर ब्रिज, मोतीपुर, कौलाश नगर, लखोली, केशर नगर, चिखली के निचली एवं झुग्गी बस्ती के घरों के आस पास पानी भरने पर जेसीबी से कच्ची नाली खोदवाकर पानी निकासी कराये, वही नाली के उपर निर्माण व नाली में कचरा फसने पर जेसीबी के माध्यम से नाले में फसे कचरे को निकलवाकर सफाई कराए। उन्होंने कहा कि निचली बस्तीयों में अल्प वर्षा में पानी भरान की स्थिति निर्मित हो जाती है, अतः ऐसे क्षेत्रों में नियमित रूप से नाली नालो की सफाई कराए तथा शहर के बड़े नाला व नालियो की अच्छे तरीके से सफाई करे, जिससे पानी भरान की स्थिति निर्मित न हो।

महापौर यादव ने बताया कि जिस प्रकार जिला चिकित्सालय को उपर उठाने से अंदर पानी भरने से छुटकारा मिला, इसी प्रकार शहर में चल रहे नाला निर्माण से आगामी वर्षो में इतनी परेशानी नही होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में शासन स्वीकृति अनुसार नार कन्हैया नाला जो इंदिरा नगर, नंदई आदि क्षेत्रों से जाती है उसके कच्चा भाग तथा सकरा भाग को तोडकर नाला निर्माण किया जा रहा है, वर्तमान में लोहा बाडा क्षेत्र में निर्माण कार्य चल रहा है, निर्माण चलने से थोडी परेशानी हो रही है। इसी प्रकार गोकुल नगर की ओर जाने वाली नाले को भी बनाने प्रक्रिया चल रही है। इन सब नालो के बन जाने से आगामी वर्षो में पानी भरान की स्थिति से निजात मिलेगा।

आयुक्त विश्वकर्मा ने तकनीकि अधिकारियो व स्वास्थ्य अमला से कहा कि निचली बस्ती, जल भरान क्षेत्र, एवं गढ्डो में पानी भरान वाले जगह से कच्ची नाली खोदकर पानी निकासी कराया जाये। सभी वार्डो में नियमित रूप से साफ सफाई कर कचरा उठाया जाये। सफाई दरोगा एवं वार्ड प्रभारी अपने अपने प्रभारित वार्ड में पानी भरान क्षेत्र को चिन्हांकित कर उच्च अधिकारी को अवगत कराये, जिससे आवश्यक कार्यवाही की जा सके। उन्होंने तकनीकि अधिकारियो से भी कहा कि अपने अपने प्रभारित वार्ड में नियमित रूप से मानिटरिंग कर पानी भरान से निपटने कार्य करे। साथ ही उन्होंने टाका घर कंट्रोल रूम में जिनकी ड्यूटी लगी है उन्हें भी तीनो पाली में उपस्थित रहने कहा। उन्होंने कहा कि पानी भरान क्षेत्र तथा बाढ़ की स्थिति से निपटने आवश्यक उपकरण व्यवस्था रखना सुनिश्चित करे और कही से भी शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारी व अमला को अवगत कराये।

राजनांदगांव जिले में अब तक 687.2 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2026 से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 687.2 मिमी बारिश एवं औसत 98.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 78.8 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 145.5 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 106.1 मिमी, घुमका तहसील में 18.5 मिमी, छुरिया तहसील में 101.3 मिमी, कुमरदा तहसील में 144.6 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 92.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक वर्षा लाल बहादुर नगर तहसील में 145.5 मिमी दर्ज की गई है। इसी तरह आज राजनांदगांव जिले के सभी 7 तहसीलों में 373.7 मिमी एवं औसत 53.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। डोंगरगढ़ तहसील में 34 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 107 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 21.4 मिमी, छुरिया तहसील में 71.9 मिमी, कुमरदा तहसील में 70.7 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 68.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक वर्षा लाल बहादुर नगर तहसील में 107 मिमी दर्ज की गई है।

थाना दिवस पर जनसंवाद और पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

साल्हेवारा, 6 जुलाई। प्रदेश शासन की सुशासन, जनसेवा एवं जनकल्याण की भावना को साकार करते हुए माह के प्रथम गुरुवार को थाना दिवस का आयोजन साल्हेवारा थाना परिसर में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन एसडीओपी खैरागढ़ ममता अली शर्मा के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी की उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान थाना परिसर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए छायादार एवं फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया गया तथा सभी उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का आह्वान किया गया। थाना दिवस में साल्हेवारा एवं आसपास के क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक, किसान, व्यापारी, जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। उपस्थित नागरिकों ने कानून-व्यवस्था, यातायात, साइबर अपराध सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं एवं जनहित के विषयों को एसडीओपी महोदया के समक्ष रखा। उन्होंने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु थाना प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर आमजन को बढ़ते साइबर फ्रॉड से बचाव, सुरक्षित ऑनलाइन लेन-देन तथा यातायात नियमों के पालन के संबंध में भी विस्तृत जानकारी एवं जागरूकता प्रदान की गई। उपस्थित नागरिकों ने थाना दिवस जैसी पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय गुरुवार को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास, संवाद एवं समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय प्रयास है।

23 महीने की चुप्पी के बाद 15 दिनों का वादा अब सरकार के सामने वचन निभाने की चुनौती

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कलकसा (डोंगरगढ़), 6 जुलाई। प्रदेश के 12 हजार से अधिक VB-G RAM-G (मनरेगा) कर्मचारियों के लंबे संघर्ष, धैर्य और लगातार उठाई गई आवाज़ के बाद राज्य सरकार ने आखिरकार 15 दिनों के भीतर मानव संसाधन (HR) नीति लागू करने का सार्वजनिक आश्वासन दिया है।

उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री मा .विजय शर्मा के साथ हुई बैठक में यह भरोसा दिया गया कि HR पॉलिसी, ग्राम रोजगार सहायकों के, मानदेय से संविदा कर ग्रेट पे संबंधी विषय, वेतन वृद्धि एवं अन्य लंबित मांगों पर समयबद्ध निर्णय लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ ने सरकार के इस आश्वासन का सम्मान करते हुए अपना चरणबद्ध आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित किया है। महासंघ ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय कर्मचारियों की कमजोरी नहीं, बल्कि सरकार को अपने वचन पर खरा उतरने का अंतिम अवसर देने की भावना से लिया गया है।

महासंघ ने कहा कि 20 वर्षों से ग्रामीण विकास योजनाओं को सफलतापूर्वक संचालित करने वाले कर्मचारियों को आज भी सेवा सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक सेवा शर्तों से वंचित रखा गया है। यह विडंबना है कि जिन कर्मचारियों के कंधों पर ग्रामीण विकास की जिम्मेदारी है, उन्हीं के भविष्य को आज तक असुरक्षित रखा गया। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि HR पॉलिसी तैयार करने के लिए गठित समिति 23 माह तक अपनी रिपोर्ट भी प्रस्तुत नहीं कर सकी। अब सरकार ने स्वयं 15 दिनों की समय-सीमा तय की है। इसलिए यह केवल HR पॉलिसी का मुद्दा नहीं, बल्कि सरकार की विश्वसनीयता, संवेदनशीलता और जवाबदेही की परीक्षा है।

महासंघ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कर्मचारी अब आश्वासनों की राजनीति नहीं, शासन के आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यदि 15 दिनों के भीतर HR पॉलिसी लागू नहीं होती और लंबित मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तो यह केवल कर्मचारियों के साथ अन्याय नहीं होगा, बल्कि सरकार के सार्वजनिक वचन पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करेगा।

महासंघ का स्पष्ट संदेश : 23 माह की देरी के बाद सरकार ने 15 दिनों का वादा किया है। अब हर दिन सरकार की जवाबदेही का दिन है। 15 दिन बाद कर्मचारी आश्वासन नहीं, परिणाम पूछेंगे। आंदोलन स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। यदि सरकार अपने वचन से पीछे हटती है, तो कर्मचारियों का संघर्ष पहले से अधिक व्यापक, संगठित और निर्णायक होगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। महासंघ ने उम्मीद जताई है कि सरकार इस अवसर को केवल घोषणा तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि समयबद्ध निर्णय लेकर 12 हजार से अधिक कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक भविष्य प्रदान करेगी। अब पूरे प्रदेश की निगाहें सरकार के अगले 15 दिनों के निर्णय पर टिकी हैं।

बदमाश पर 170 बीएनएसएस के तहत् की गई कार्रवाई

राजनांदगांव, 6 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं नशा मुक्त बनाने हेतु असमाजिक तत्वो के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत शांति भंग करने वाले बदमाश हरिश पटेल पिता स्व. पीलाराम पटेल उम्र 29 साल साकिन ग्राम कोनारी थाना डोंगरगांव जिला राजनांदगांव हाल शांतिनगर गली नं. 01 पुलिस चौकी चिखली जिला राजनांदगांव छ.ग. द्वारा वाद विवाद कर शांति व्यवस्था भंग कर अप्रीय घटना घटित होने के संभावना पर बदमाश के पृथक धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर माननीय न्यायालय राजनांदगांव पेश किया किया गया। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, म.प्र.आर वंदना पटले, आर. चन्द्रकपूर आयाम, सुनील बैरागी, आदित्य सोलंकी, गोपाल पैकरा एवं चौकी चिखली स्टाफ का महत्वपूर्ण भूमिका व सराहनीय योगदान रहा है।

बारिश से तिल्दा में जलभराव, निकासी की व्यवस्था न होने से लोग परेशान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 6 जुलाई। रविवार से हो रही भारी बरसात से तिल्दा मेरा शहर व क्षेत्र पानी पानी हो गया है खेत लबालब हो गए वहीं तालाबों एवं नालों का जलस्तर भी काफी बढ़ गया आज सोमवार सुबह भी बरसात हो रही थी।

इस तरह नगर के अग्रसेन चौक के पास भी बरसात का पानी भर गया है। दूसरी ओर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जलभराव से मरीज परेशान, निकासी व्यवस्था पर उठे सवाल लगातार हो रही वर्षा के कारण तिल्दा-नेवरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई है। अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार तक बारिश का पानी भर जाने से मरीजों, परिजनों एवं अस्पताल कर्मियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार अस्पताल परिसर की नालियां लंबे समय से जाम हैं तथा वर्षा जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है। इसके चलते अस्पताल परिसर चारों ओर से पानी से घिर गया है।

बारिश के दौरान मरीजों को पानी से होकर अस्पताल पहुंचना पड़ रहा है, जिससे विशेषकर बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर मरीजों को अधिक कठिनाई हो रही है। जलभराव के कारण संक्रमण और मच्छरों के प्रकोप का खतरा भी बढ़ गया है।

स्थानीय नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल परिसर की नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए तथा स्थायी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से

कामती साहू का बिजली बिल हुआ शून्य, हर माह हो रही हजार रुपए की बचत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 6 जुलाई। छुरिया विकासखंड के दूरस्थ वनांचल ग्राम मोरकुटूम्ब की निवासी मितानीन प्रशिक्षक कामती बाई साहू के घर में अब सूरज की रोशनी केवल उजाला ही नहीं करती, बल्कि आर्थिक समृद्धि का भी माध्यम बन गई है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत उनके घर की छत पर स्थापित 3 किलोवॉट क्षमता के सोलर रूफटॉप प्लांट ने उनके परिवार की मासिक बिजली लागत लगभग समाप्त कर दी है।

श्रीमती कामती साहू ने बताया कि वे मितानीन प्रशिक्षक के रूप में कार्य करती हैं तथा उनके पति का किराने की दुकान है। पहले हर माह बिजली बिल एक हजार रूपए से अधिक आता था, जिससे घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। योजना के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत आवेदन किया और घर की छत पर 3 किलोवॉट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया। सोलर पैनल लगने के बाद इस माह उनका बिजली बिल शून्य आया, जिससे लगभग एक हजार रूपए की बचत हुई। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल की स्थापना के लिए उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार रूपए तथा राज्य सरकार से 30 हजार रूपए की

सब्सिडी प्राप्त हुई। कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सहायता मिलने से बिना आर्थिक कठिनाई के सोलर प्लांट लगाना संभव हो सका। अब उनका परिवार अपनी आवश्यकता की बिजली स्वयं तैयार कर रहा है तथा अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर उसका भी लाभ प्राप्त कर रहा है।

श्रीमती कामती साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल आर्थिक बचत ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपारिक ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता कम होती है, जिससे प्रदूषण में कमी आती है और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ उठाना चाहिए, ताकि हर घर, हर गांव और हर मोहल्ला स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा से जुड़ सके। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों के परिवारों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। इससे आर्थिक बचत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षणकृतीनों उद्देश्यों की एक साथ पूर्ति हो रही है।

घर घुसकर अपने साला को चाकू मारने वाला जीजा गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

राजनांदगांव, 6 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 3 जुलाई को प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी बहन की शादी वर्ष 2018 में रूआबांधा भिलाई जिला दुर्ग निवासी राजेन्द्र बेनसा के साथ हुई है। राजेन्द्र बेनसा आये दिन इसकी बहन के साथ मारपीट करने से अपने मायके में आकर रह रही है, और न्यायालय में तलाक का मामला चल रहा है। आज रात्रि में यह अपने बुआ के लड़के आशीष शेण्डे के साथ अपने घर के उपर वाले कमरे में सोया था कि रात्रि करीबन 03 :30 बजे इसका जीजा राजेन्द्र बेनसा बाजू घर के छत से होकर इसके कमरे में आकर धारदार चाकूनुमा वस्तु से इसके बाये घुटने पर वार कर चोट पहुंचाया, इसके द्वारा जोर-2 से चिल्लाने पर बगल में सो रहा आशीष शेण्डे जाग गया, बीच बचाव करने पर अश्लील गाली गलौच व जाने से मारने की धमकी देकर भाग जाना बताया। कि रिपोर्ट पर आरोपी के खिलॉफ अप0क्र0 330/26 धारा 296, 351(2), 333 बीएनएस कायम कर वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया। मामलें की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में आरोपी राजेन्द्र बेनसा निवासी रूआबांधा भिलाई जिला दुर्ग की पतासाजी कर 4 जुलाई को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया गया, जिसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लोहे का धारदार चाकु जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया।

संघ ने भी कह दिया कड़ी सजा मिलनी चाहिए

अयोध्या के रामलला के मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में आए दिन नए नए खुलासे हो रहे हैं।कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं, राजनीतिक दलों के बीच राजनीति के लिए होड़ लगी हुई है कि कौन भाजपा,आरएसएस पर कैसे आरोप लगा सकता है।कोई कह रहा है कि भाजपा व आरएसएस के लोग चुप क्यों हैं, वह कुछ कह क्यों नही रहे हैं।कोई इसके लिए ट्रस्ट के लोगों को दोषी बता रहा है तो कोई इसके लिए बैंक वालों को दोषी बता रहा है। सब अपने आपको इस मामले में पाक साफ बताने का प्रयास कर रहे है,दूसरे को दोषी बताने का प्रयास कर रहे हैं।मंदिर के चढ़ावे की चोरी तो हुई है,यह सच है,इससे कोई इंकार नहीं कर सकता लेकिन चोरी को लेकर कोई पुख्ता आंकड़ा सामने नही आने के कारण जिसके मुंह जितना आता है, बताता है कि इतने करोड़ की चोरी हुई है। चोरी को हिंदू समाज के लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ा है, हिंदू समाज नाराज है कि राम मंदिर में ऐसा कैसे हो गया। इसे रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया गया।सब इंतजार कर रहे हैं कि एसआईटी की क्या रिपोर्ट आती है उसके बाद इस मामले मे दोषी लोगों पर क्या कार्रवाई की जाती है,जब तक कार्रवाई नहीं होती तब तक भाजपा व संघ विरोधी लोग तो राजनीति करते रहेंगे, कई तरह के बयान देते रहेंगे। राम मंदिर चढ़ावे की चोरी के मामले में सब इंतजार कर रहे थे, आरएसएस की तरफ क्या कहा जाता है। अब आरएसएस की तरफ से बयान आ गया है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने बयान जारी किया है कि चढ़ावा चोरी मामले में जो भी दोषी पाया जाए,उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए। लेकिन इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को हथियार बनाकर हिंदुओं को बदनाम करने की राष्टविरोधी ताकतों की साजिश का नाकाम किया जाना चाहिए।इस कठिन समय में हिंदू समाज को धैर्य व संयम का परिचय देना होगा। होसबोले ने कहा है कि दानपात्रों की राशि चोरी की घटना से समूचे समाज व रामभक्तों की भावना व आस्था को ठेस पहुंची है।इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जांच में जो भी दोषी मिले उसे कठोर दंड मिले।यानी संघ इस मामले में किसी को बचाने के पक्ष मे तो नहीं है,साथ ही संघ की तरफ से कहा गयाहै कि जांच में ट्रस्ट के संचालन में जो भी कमी खामी पाई गई है, उसे दूर किया जाना चाहिए और मंदिर संचालन की ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए कि फिर चढ़ावा चोरी जैसी घटना न हो। चढ़ावा चोरी मामले में अखिलेश से लेकर केजरीवाल तक को मौका मिल गया है,राममंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में राजनीति करने का। अखिलेश तो जांच पर सवालिया निशान लगाते रहे हैं उनका कहना है कि एसआईटी की जगह किसी रिटायर जज से इस मामले की जांच होनी चाहिए। इसका मतलब साफ है कि एसआईडी का जांच रिपोर्ट आने के बाद भी सपा इस मामले को यूपी में बड़ा मुद्दा बनाए ऱखना चाहती है और चुनाव में इसका राजनीतिक लाभ उठाना चाहती है।केजरीवाल जो अब तक कट्टर ईमानदार खुद को कहते थे अब हिंदी बेल्ट में फिर से अपने जनाधार को मजबूत करने के लिए राम लला के दर्शन के बाद खुद को सच्चा सनातनी और अपनी पार्टी को सच्ची सनातनी पार्टी घोषित कर चुके हैं और जिन लोगों ने राम लला का दर्शन नहीं किया है,उनको असनातनी घोषित कर रहे हैं।केजरीवाल राममंदिर चढ़ावे की चोरी के मामले जो कोई नहीं कह रहा है वह कह रहेहैं, उनका कहना है कि पीएम मोदी चंदा चोरी के मामले के असली गुनहगारों को बचा रहे हैं।पूरा घटनाक्रम को यही दिखाता है कि मोदीजी मामले को रफादफा करने और दोषी लोगों को बचाने में लगे हैं। राम मंदिर चढ़ावे की चोरी तो हुई है,इसे सब मान रहे हैं, लेकिन इसके दोषी कौन है, इसे लेकर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। ट्रस्ट वाले इसके लिए बैंक को दोषी बताने का प्रयास कर रहे हैं तो बैंक वाले इसके लिए खुद को दोषी नहीं मानते हैं।ट्रूस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता का कहना है कि दान की रकम की गिनती ट्रस्ट के कर्मचारियों के द्वारा नहीं बल्कि बैंक की ओर से नियुक्त आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से की जाती थी,ऐसे में यदि किसी तरह की गड़बड़ी हुई है तो उसकी जिम्मेदारी ट्रस्ट की नहीं बैंख व उसकी व्यवस्था की बनती है।गुप्ता का साफ कहना है कि ट्रस्ट व एसबीआई के बीच इस काम को लेकर एक समझौता था, इस समझौते के तहत बैंक की टीम या उससे जुड़ी एजेंसी के कर्मचारियों को काउंटिंग के लिए भेजता था,उस वक्त ट्रस्ट की तरफ से केवल एक प्रतिनिधि निगरानी के लिए मौजूद रहता था।इसलिए जो गड़बड़ी हुई वह बैंक की प्रक्रिया के कारण हुई न कि ट्रस्ट के संचालन के कारण हुई है। यूपी के सीएम योगी ने एसआईटी का गठन जांच के लिए किया है। उसकी अंतिम रिपोर्ट तक योगी ने लोगों से धैर्य रखने को कहा है। लोग इंतजार कर रहे हैं कि रिपोर्ट कब आएगी और कितने दोषी लोगों को क्या सजा मिलेगी। लोग चाहते हैं कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी करने वालों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि फिर कोई राममंदिर में ऐसी गलती करने की हिम्मत न करे।लोगों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व सदस्य ड़ॉ.अऩिल कुमार मिश्र को ट्रस्ट से हटाया क्यों नहीं गया। उन्होंने इस्तीफा भी देरी से दिया है।लोगों को इस बारे में मालूम नहीं है इसलिए ऐसा कह रहे हैं। हकीकत मे ट्रस्ट में नियम ही ऐसा है कि कोई भी सदस्य ट्रूस्ट से बाहर दो तरीके से किया जा सकता है एक तरीका यह है कि वह सदस्य पद से एक माह का नोटिस देकर इस्तीफा दे दे।नोटिस की अंतिम तिथि के बाद वह सदस्यता से मुक्त माना जाएगा।दूसरा तरीका यह है कि ट्रस्ट के १५ सदस्यों में से दो तिहाई बहुमत से किसी ट्रस्टी की सदस्यता खत्म कर दी जाए।चंपत राय व अनिल मिश्र ने पदाधिकारी के रूप मे इस्तीफा दे दिया है लेकिन वह ट्रस्ट के सदस्य तो है। उसका फैसला आने वाले दिनों में हो सकता है।

समाज

जब कमाई रिश्तों से बड़ी हो जाए

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, साझेदारी और पारस्परिक उत्तरदायित्व की एक जीवंत संस्था रहा है। इस संस्था की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि इसमें अधिकार और कर्तव्य दोनों साथ-साथ चलते थे। समय बदला, शिक्षा का विस्तार हुआ, महिलाओं की भागीदारी घर की चौखट से निकलकर शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, न्याय, सेना, विज्ञान और उद्योग तक पहुँची। आर्थिक आत्मनिर्भरता ने महिलाओं को नया आत्मविश्वास दिया, निर्णय लेने की क्षमता दी और उन्हें सामाजिक सम्मान भी दिलाया। यह परिवर्तन न केवल आवश्यक था, बल्कि एक न्यायपूर्ण समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी था। लेकिन हर सामाजिक परिवर्तन अपने साथ नई चुनौतियाँ भी लेकर आता है। आज जब परिवारों में पति-पत्नी दोनों कमाने लगे हैं, तब आर्थिक साझेदारी के साथ जिम्मेदारियों की साझेदारी का प्रश्न पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दुर्भाग्य से अनेक परिवारों में यह संतुलन बिगड़ता दिखाई देता है। कहीं अधिकारों पर अधिक जोर है तो कहीं कर्तव्यों की उपेक्षा। परिणामस्वरूप रिश्तों में वह सहजता और अपनापन कम होता जा रहा है जो कभी संयुक्त परिवारों की पहचान हुआ करता था। लंबे समय तक भारतीय समाज में पुरुष को परिवार का आर्थिक आधार माना गया। उसकी कमाई पर पत्नी, बच्चों और माता-पिता का नैतिक अधिकार समझा जाता था। वह अपनी आय को व्यक्तिगत संपत्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार की पूंजी मानकर चलता था। दूसरी ओर, महिलाओं का योगदान घरेलू श्रम, बच्चों के पालन-पोषण और परिवार के संचालन में अधिक दिखाई देता था। आधुनिक समय में परिस्थितियाँ बदली हैं। महिलाएँ भी पुरुषों के समान मेहनत करके आर्थिक योगदान दे रही हैं। ऐसे में स्वाभाविक अपेक्षा यह थी कि आर्थिक जिम्मेदारियाँ भी समान रूप से साझा होंगी। किंतु व्यवहार में कई बार तस्वीर इतनी सरल नहीं होती। आज अनेक परिवारों में यह अनुभव सुनने को मिलता है कि पति की आय को अभी भी घर की मुख्य आय माना जाता है, जबकि पत्नी की आय को व्यक्तिगत बचत, व्यक्तिगत निवेश या व्यक्तिगत स्वतंत्रता का माध्यम समझा जाता है। यह स्थिति हर परिवार में नहीं है, पर जहाँ है, वहाँ असंतोष का कारण बनती है। यदि घर का हर बड़ा खर्च पति वहन करे, लेकिन पत्नी की आय को पारिवारिक उत्तरदायित्व से अलग रखा जाए, तो बराबरी का सिद्धांत अधूरा रह जाता है। इसी प्रकार यदि पति यह अपेक्षा करे कि पत्नी नौकरी भी करे, घर भी संभाले और आर्थिक निर्णयों में उसकी स्वतंत्रता भी न हो, तो यह भी अन्यायपूर्ण है। समस्या किसी एक पक्ष की नहीं, बल्कि दोहरे मापदंडों की है।

बराबरी का अर्थ केवल समान अधिकार नहीं होता। उसका अर्थ समान उत्तरदायित्व भी होता है। यदि दोनों कमाते हैं तो परिवार की आवश्यकताओं, भविष्य की योजनाओं, बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल और आकस्मिक परिस्थितियों की जिम्मेदारी भी दोनों की होनी चाहिए। आर्थिक साझेदारी का अर्थ केवल आय जोड़ना नहीं, बल्कि विश्वास जोड़ना भी है। समस्या का दूसरा पहलू मनोवैज्ञानिक है। धन केवल सुविधाएँ नहीं देता, वह आत्मविश्वास भी देता है। लेकिन यही आत्मविश्वास यदि अहंकार में बदल जाए तो रिश्तों में दूरी आने लगती है। कभी-कभी देखा जाता है कि जिसकी आय अधिक होती है, वही निर्णयों पर अपना अधिकार अधिक मानने लगता है। यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी दिखाई देती रही है और आज कुछ महिलाओं में भी देखने को मिलती है। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि आर्थिक अहंकार केवल किसी एक लिंग की समस्या है। धन का अहंकार व्यक्ति को बदलता है, उसका लिंग नहीं।

आज सोशल मीडिया और सार्वजनिक विमर्श में स्त्री-पुरुष संबंधों को अक्सर संघर्ष के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। एक पक्ष अपने अधिकारों की बात करता है तो दूसरा अपने साथ हुए अन्याय की। इस खींचतान में परिवार, संवाद और साझेदारी पीछे छूट जाते हैं। किसी भी विचारधारा का उद्देश्य यदि संतुलन स्थापित करना है तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन यदि किसी भी विचार की व्याख्या अधिकारों तक सीमित होकर कर्तव्यों को गौण कर दे, तो समाज में असंतुलन पैदा होना स्वाभाविक है।

यह भी सच है कि आज लाखों महिलाएँ अपनी पूरी आय परिवार पर खर्च करती हैं। वे नौकरी के साथ-साथ घर, बच्चों और बुजुर्गों की जिम्मेदारियाँ भी निभाती हैं। अनेक परिवार ऐसे भी हैं जहाँ पति-पत्नी बिना किसी हिसाब-किताब के अपनी कमाई को साझा करते हैं और निर्णय भी मिलकर लेते हैं। इसलिए किसी एक वर्ग को दोषी ठहराना न तो उचित है और न ही तथ्यपरक। सामाजिक विश्लेषण का उद्देश्य आरोप लगाना नहीं, बल्कि प्रवृत्तियों को समझना और समाधान तलाशना होना चाहिए। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब पति-पत्नी के बीच आर्थिक पारदर्शिता समाप्त हो जाती है। आय, बचत, निवेश और खर्च यदि अलग-अलग दुनिया बन जाएँ, तो रिश्तों में संदेह जन्म लेने लगता है। आर्थिक गोपनीयता कभी-कभी भावनात्मक दूरी में बदल जाती है। विवाह साझेदारी का संबंध है, व्यापारिक अनुबंध नहीं। इसमें विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है। आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। आय बढ़ी है, लेकिन संवाद कम हुआ है। स्वतंत्रता बढ़ी है, लेकिन साझेदारी कमजोर हुई है। पहले परिवार सीमित संसाधनों में भी साथ रहते थे क्योंकि निर्णय सामूहिक होते थे। आज संसाधन अधिक हैं, लेकिन कई बार 'मेरा' और 'तेरा' की मानसिकता रिश्तों को बाँट देती है। यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्या घरेलू श्रम का मूल्य आर्थिक आय से कम है? यदि पत्नी घर संभालती है और पति बाहर कमाता है, तो क्या केवल कमाने वाला ही परिवार चला रहा है? बिल्कुल नहीं। उसी प्रकार यदि पत्नी भी नौकरी करती है, तो क्या घर की सारी जिम्मेदारी उसी पर छोड़ देना उचित है? इसका उत्तर भी नहीं है। परिवार तभी संतुलित रहेगा जब आर्थिक और घरेलू दोनों प्रकार के श्रम का समान सम्मान होगा।

बच्चों पर भी इस बदलते वातावरण का प्रभाव पड़ रहा है। वे अपने माता-पिता को यदि आर्थिक प्रतिस्पर्धा में उलझा हुआ देखते हैं, तो उनके मन में भी रिश्तों की परिभाषा बदलने लगती है। वे सहयोग से अधिक अधिकारों की भाषा सीखते हैं। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह चिंता का विषय है। परिवार केवल वर्तमान नहीं बनाता, भविष्य भी गढ़ता है। समाधान क्या है? समाधान किसी एक पक्ष को दोषी ठहराने में नहीं, बल्कि पारिवारिक संवाद को मजबूत बनाने में है। विवाह के बाद पति-पत्नी को आर्थिक अपेक्षाओं, बचत, निवेश, पारिवारिक खर्च और व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। यह तय होना चाहिए कि दोनों अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार परिवार में योगदान देंगे। किसी की आय कम या अधिक होना सम्मान का पैमाना नहीं बनना चाहिए। आर्थिक स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ स्वच्छंदता नहीं, बल्कि उत्तरदायित्वपूर्ण स्वतंत्रता है। स्वतंत्र व्यक्ति वही है जो अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी स्वीकार करता है। यदि कमाई केवल व्यक्तिगत सुविधा का साधन बन जाए और परिवार की सामूहिक आवश्यकताएँ पीछे छूट जाएँ, तो आर्थिक समृद्धि भी रिश्तों को नहीं बचा सकती। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम समानता की नई परिभाषा गढ़ें।

ऐसी समानता जिसमें पुरुष अपनी पारंपरिक श्रेष्ठता छोड़कर साझेदारी स्वीकार करे और महिला अपनी आर्थिक स्वतंत्रता के साथ पारिवारिक उत्तरदायित्व को भी समान सम्मान दे। दोनों एक-दूसरे को प्रतिस्पर्धी नहीं, सहयोगी समझें। विवाह किसी की जीत या हार का मंच नहीं, बल्कि जीवन की साझी यात्रा है। अंततः याद रखना होगा कि धन जीवन को सुविधाजनक बना सकता है, लेकिन सुखी नहीं बना सकता। बैंक बैलेंस सुरक्षा दे सकता है, लेकिन अपनापन नहीं। महँगे घर बनाए जा सकते हैं, पर परिवार नहीं खरीदे जा सकते। रिश्तों की सबसे बड़ी मुद्रा आज भी विश्वास, संवेदनशीलता, त्याग और परस्पर सम्मान ही है। जब कमाई रिश्तों से बड़ी होने लगती है, तब परिवार धीरे-धीरे आर्थिक इकाई में बदल जाता है। वहाँ प्रेम की जगह हिसाब ले लेता है, साझेदारी की जगह स्वामित्व और संवाद की जगह तर्क। इसलिए समय रहते यह समझना आवश्यक है कि कमाई जीवन का साधन है, उद्देश्य नहीं। यदि धन रिश्तों को मजबूत करे तो वह वरदान है, लेकिन यदि वही रिश्तों के बीच दीवार बन जाए तो उससे बड़ी विडंबना कोई नहीं। एक स्वस्थ समाज वही होगा जहाँ स्त्री और पुरुष दोनों आर्थिक रूप से सक्षम हों, दोनों स्वतंत्र हों, दोनों सम्मानित हों और दोनों अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समान निष्ठा से निभाएँ। यही सच्ची समानता है, यही सच्ची साझेदारी है और यही भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति भी।

सू- दोकू क्र.091

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.090 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -091

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 090 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

सूखती धरती, बढ़ती प्यास : जल दिवालियापन की ओर बढ़ता भारत

डॉ. सत्यवान सौरभ

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, सभ्यता, आर्थिक विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन का आधार है। मानव इतिहास की अधिकांश महान सभ्यताएँ नदियों के किनारे विकसित हुईं, क्योंकि जल ही जीवन और समृद्धि का मूल स्रोत रहा है। किंतु इक्कीसवीं शताब्दी में जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने विश्व के अनेक देशों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। भारत इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या का भार वहन करने वाला भारत विश्व के केवल लगभग 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधनों का स्वामी है। बढ़ती जनसंख्या, तीव्र शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक दोहन, जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा जल प्रबंधन की संरचनात्मक कमियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है जहाँ केवल जल संकट की बात करना पर्याप्त नहीं रह गया है। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहीं तो भारत जल संकट से आगे बढ़कर जल दिवालियापन की स्थिति में पहुँच सकता है। जल दिवालियापन वह अवस्था है जब उपलब्ध जल संसाधन प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता से अधिक दोहन के कारण समाप्तप्राय हो जाएँ, जल की गुणवत्ता इतनी खराब हो जाए कि उसका उपयोग कठिन हो जाए तथा समाज, कृषि, उद्योग और पारिस्थितिकी की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव न रह जाए। भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में पाँच हजार घन मीटर से अधिक थी, जो लगातार घटते-घटते जल तनाव की सीमा के निकट पहुँच चुकी है। अनेक महानगर समय-समय पर पेयजल संकट का सामना कर चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है। अनेक नदियाँ प्रदूषण के कारण जीवनदायिनी के बजाय प्रदूषण वाहक बनती जा रही हैं। वर्षा की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संकट केवल प्राकृतिक कारणों से उत्पन्न नहीं हुआ, बल्कि जल प्रबंधन की दीर्घकालिक कमजोरियों, नीतिगत असंतुलनों और सामाजिक व्यवहारों का परिणाम भी है। भारत की सबसे बड़ी समस्या भूजल पर अत्यधिक निर्भरता है। देश विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपयोगकर्ता है। सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए लाखों की संख्या में ट्यूबवेल संचालित हैं। कई राज्यों में मुफ्त अथवा अत्यधिक सब्सिडी वाली बिजली ने भूजल दोहन को और प्रोत्साहित किया है। जल निकासी की तुलना में पुनर्भरण बहुत कम होने के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। अनेक क्षेत्रों में कुएँ और हैंडपंप सूख चुके हैं तथा किसानों को अधिक गहराई तक बोरिंग करनी पड़ रही है। इससे ऊर्जा लागत बढ़ रही है और छोटे किसान आर्थिक संकट में फँस रहे हैं। कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक तथा नाइट्रेट की मात्रा बढ़ने से सार्वजनिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। जल प्रबंधन की दूसरी बड़ी कमजोरी वर्षा जल के समुचित संचयन का अभाव है। भारत में अधिकांश वर्षा कुछ ही महीनों में होती है, किंतु उसका बड़ा भाग नदियों के माध्यम से समुद्र में चला जाता है। यदि इस जल का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण और पुनर्भरण किया जाए तो भूजल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दुर्भाग्यवश पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे तालाब, बावड़ियाँ, जोहड़, कुएँ और झीलें उपेक्षा, अतिक्रमण और प्रदूषण का शिकार हो गई हैं। शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को कानूनी रूप से अनिवार्य तो बनाया गया है, परंतु उसका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी सीमित है।

जल प्रदूषण भी जल संकट को जल दिवालियापन की दिशा में ले जाने वाला प्रमुख कारण है। देश की अधिकांश नदियाँ घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरे तथा कृषि रसायनों से प्रभावित हैं। बड़ी मात्रा में बिना उपचारित सीवेज प्रतिदिन नदियों में छोड़ा जाता है। अनेक उद्योग पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करते। परिणामस्वरूप उपलब्ध जल की गुणवत्ता निरंतर गिर रही है। जल की मात्रा चाहे जितनी हो, यदि वह उपयोग योग्य नहीं है तो वास्तविक जल उपलब्धता स्वतः कम हो जाती है। यह स्थिति स्वास्थ्य, कृषि, मत्स्य पालन और जैव विविधता सभी के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है।

कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक और अल्पदक्ष उपयोग भी वर्तमान संकट का एक महत्त्वपूर्ण कारण है। भारत के कुल मीठे जल का लगभग अस्सी प्रतिशत भाग कृषि में प्रयुक्त होता है, किंतु सिंचाई की दक्षता अभी भी निम्न है। अधिकांश क्षेत्रों में पारंपरिक बाढ़ सिंचाई पद्धति अपनाई जाती है, जिसमें बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ बह जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा सरकारी खरीद की नीतियों ने कई राज्यों में धान और गन्ने जैसी अत्यधिक जल-आवश्यक फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया है, जबकि उन क्षेत्रों की जल उपलब्धता इसके अनुकूल नहीं है। इससे भूजल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और दीर्घकाल में कृषि की स्थिरता भी प्रभावित होती है।

शहरी जल प्रबंधन भी गंभीर कमियों से ग्रस्त है। तेजी से बढ़ते शहरों में पाइपलाइन से जल की भारी हानि होती है। गैर-राजस्व जल की मात्रा कई नगरों में अत्यधिक है। उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग बहुत कम किया जाता है। झीलों और तालाबों पर अतिक्रमण होने से वर्षा जल का प्राकृतिक संचयन समाप्त हो रहा है। विडंबना यह है कि एक ओर शहरों में वर्षा के समय जलभराव होता है और दूसरी ओर गर्मियों में वही शहर जल संकट से जूझते हैं। यह दर्शाता है कि हमारी जल प्रबंधन प्रणाली प्राकृतिक जल चक्र के अनुरूप विकसित नहीं हो सकी है। जल प्रबंधन की एक अन्य संरचनात्मक कमजोरी संस्थागत विखंडन है। जल से संबंधित कार्य अनेक मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों में विभाजित हैं। सिंचाई, पेयजल, भूजल, नदी संरक्षण, शहरी जलापूर्ति और पर्यावरण संरक्षण अलग-अलग संस्थाओं के अधीन हैं। इनके बीच समन्वय का अभाव समेकित जल नीति के निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करता है। नदी बेसिन आधारित योजना के स्थान पर प्रशासनिक सीमाओं के आधार पर जल प्रबंधन किया जाता है, जिससे संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग नहीं हो पाता। जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा बना दिया है। मानसून की अनिश्चितता, अल्प अवधि में अत्यधिक वर्षा, लंबे शुष्क काल, हिमालयी हिमनदों के पिघलने तथा तापमान वृद्धि ने जल चक्र को प्रभावित किया है। इससे बाढ़ और सूखे दोनों की आवृत्ति तथा तीव्रता बढ़ी है। जल संसाधनों की योजना यदि पुराने जलवायु पैटर्न के आधार पर बनाई जाएगी तो भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं होगी। इन सभी चुनौतियों के कारण जल संकट केवल संसाधन संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा व्यापक प्रश्न बन चुका है। जल की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे खाद्यान्न सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उद्योगों की उत्पादन क्षमता घट सकती है। जलजनित रोगों का प्रसार बढ़ सकता है। राज्यों और क्षेत्रों के बीच जल विवाद तीव्र हो सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर पलायन होने की संभावना भी बढ़ सकती है। अतः जल सुरक्षा को राष्ट्रीय विकास की केंद्रीय प्राथमिकता बनाना समय की आवश्यकता है। इस चुनौती का समाधान केवल नए बाँध बनाने या अधिक भूजल निकालने से संभव नहीं है। इसके लिए जल प्रबंधन की संपूर्ण सोच में परिवर्तन आवश्यक है। सबसे पहले जल को एक सीमित और मूल्यवान प्राकृतिक संपदा के रूप में स्वीकार करना होगा। जल संसाधनों का प्रबंधन नदी बेसिन आधारित समेकित दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए, जिसमें सतही जल, भूजल, वर्षा जल और पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं को एक साथ ध्यान में रखा जाए। प्रत्येक नदी घाटी के लिए वैज्ञानिक जल बजट तैयार किया जाए और उसी के अनुसार जल उपयोग की योजना बनाई जाए।

भूजल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र में भूजल निकासी और पुनर्भरण का वैज्ञानिक आकलन किया जाए। जलभृतों का मानचित्रण, डिजिटल निगरानी तथा सामुदायिक भागीदारी पर आधारित भूजल शासन विकसित किया जाए। जहाँ भूजल का स्तर अत्यधिक गिर चुका है वहाँ निकासी पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाए तथा कृत्रिम पुनर्भरण की योजनाओं को व्यापक रूप से लागू किया जाए। वर्षा जल संचयन को राष्ट्रीय जनांदोलन बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक भवन, विद्यालय, उद्योग और सरकारी संस्थान में वर्षा जल संचयन प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। गाँवों में तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों तथा अन्य पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन किया जाए। स्थानीय समुदायों को इनके संरक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाए ताकि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बन सके। कृषि क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का विस्तार किया जाए। कम जल वाली फसलों को प्रोत्साहन दिया जाए तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिले। न्यूनतम समर्थन मूल्य और कृषि प्रोत्साहनों को जल संरक्षण के अनुरूप पुनर्संतुलित किया जाए। मृदा स्वास्थ्य सुधार, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण आधारित कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर सिंचाई की आवश्यकता कम की जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट जल का उपचार और पुनर्चक्रण अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। उपचारित जल का उपयोग उद्योगों, निर्माण कार्यों, उद्यानों तथा अन्य गैर-पेय उपयोगों में किया जाए ताकि स्वच्छ जल पर दबाव कम हो। पाइपलाइन लीकेज को कम करने, स्मार्ट मीटरिंग अपनाने तथा जल वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण से भी जल बचत संभव है। नदियों के संरक्षण को केवल सफाई अभियान तक सीमित न रखकर संपूर्ण नदी पारिस्थितिकी के संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए। बिना उपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट के प्रवाह पर कठोर नियंत्रण हो। आर्द्रभूमियों, बाढ़ मैदानों और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों की रक्षा की जाए, क्योंकि यही जल पुनर्भरण और जैव विविधता के प्रमुख आधार हैं। तकनीकी नवाचारों का भी व्यापक उपयोग किया जाना चाहिए। रिमोट सेंसिंग, भू-स्थानिक सूचना प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स तथा स्मार्ट सेंसर आधारित जल निगरानी प्रणाली विकसित कर जल उपयोग की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकती है। जल लेखांकन, जल ऑडिट और डेटा आधारित नीति निर्माण से संसाधनों का अधिक वैज्ञानिक उपयोग संभव होगा।साथ ही, जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना अनिवार्य है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी से जल संरक्षण को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। नागरिकों में यह चेतना विकसित करनी होगी कि प्रत्येक बूंद का संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। भारत के समक्ष उपस्थित जल संकट वास्तव में विकास मॉडल की परीक्षा है। यदि वर्तमान जल प्रबंधन की कमियों को दूर नहीं किया गया तो जल संकट शीघ्र ही जल दिवालियापन में परिवर्तित हो सकता है.

पीएचसी चेरपाल ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के मूल्यांकन को सफलतापूर्वक पूर्ण किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 6 जुलाई। बीजापुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीएससी) चेरपाल ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत आयोजित बाह्य मूल्यांकन को सफलतापूर्वक पूरा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 03 एवं 04 जुलाई 2026 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (NHSRC), नई दिल्ली की विशेषज्ञ टीम ने स्वास्थ्य केंद्र का विस्तृत निरीक्षण कर विभिन्न गुणवत्ता मानकों का मूल्यांकन किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) के मार्गदर्शन तथा खंड चिकित्सा अधिकारी (BMO) के नेतृत्व में संपन्न इस मूल्यांकन के दौरान सामान्य प्रशासन, ओपीडी, आईपीडी, प्रयोगशाला,बीएमओ लेबर रूम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, संक्रमण नियंत्रण, दवा प्रबंधन, स्वच्छता, मरीजों को उपलब्ध सुविधाएं एवं अभिलेख संधारण सहित विभिन्न पहलुओं का गहन परीक्षण किया गया।मूल्यांकन प्रक्रिया में जिला कार्यक्रम प्रबंधक बीएमओ , जिला जनस्वास्थ्य नर्सिंग अधिकारी (NHSRC, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक बीएमओ, बीएमओ बीएएम ,STS, MTS, RBSK टीम, चिकित्सा अधिकारी, बीएमओ प्रभारी, सेक्टर सुपरवाइजर, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (CHO), RHO (पुरुष एवं महिला), स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, मितानिन सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने मूल्यांकन दल को आवश्यक अभिलेख एवं जानकारी उपलब्ध कराते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान किया।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण, बेहतर समन्वय और टीमवर्क के कारण मूल्यांकन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन दल द्वारा दिए गए सुझावों के अनुरूप आवश्यक सुधारात्मक कार्य किए जाएंगे, जिससे क्षेत्र की जनता को और अधिक गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।स्वास्थ्य विभाग ने (BMO) चेरपाल की इस उपलब्धि को जिले में गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाया जाएगा।

चिरायु दल ने जन्मजात क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट से पीड़ित बालक को दिलाई नई मुस्कान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर,6 जुलाई। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत संचालित चिरायु दल द्वारा दूरस्थ एवं अंदरूनी क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हुए गंभीर जन्मजात विकृतियों के उपचार में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। उसूर विकासखंड अंतर्गत ग्राम मीनागट्टा (पामेड) निवासी 15 वर्षीय बालक माड़कम हुंगा को जन्मजात क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट (कटे होंठ एवं तालु) की समस्या से सफलतापूर्वक मुक्ति दिलाई गई।माड़कम हुंगा जन्म से ही इस जन्मजात विकृति से पीड़ित था, जिसके कारण उसे भोजन करने, स्पष्ट रूप से बोलने तथा सामान्य सामाजिक जीवन जीने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।आरबीएसके के चिरायु दल द्वारा विद्यालय में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण (रूटीन स्क्रीनिंग) के दौरान बालक की पहचान की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए दल द्वारा तत्काल आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूर्ण कर बीएमओ एवं बीपीएम, उसूर के मार्गदर्शन में चिरायु दल ने 25 जून 2026 को बालक को रायपुर स्थित श्री मेडिसिन अस्पताल में भर्ती कराया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट की सफल प्लास्टिक सर्जरी की गई। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत इस संपूर्ण उपचार–जिसमें सर्जरी, दवाइयां, जांच, रायपुर तक आवागमन तथा उपचार अवधि के दौरान रहने एवं भोजन की व्यवस्था शामिल है–का समस्त व्यय शासन द्वारा वहन किया गया।

एक नजर

उप अंकेक्षक भर्ती परीक्षा में 662 परीक्षार्थी हुए शामिल, 402 रहे अनुपस्थित

जगदलपुर, 6 जुलाई । छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित उप अंकेक्षक भर्ती परीक्षा आज रविवार 05 जुलाई को बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में संपन्न हुई। परीक्षा का आयोजन सुबह 10 बजे से दोपहर 12ः15 बजे तक निर्धारित समय पर किया गया, जिसमें शामिल होने के लिए सुबह से ही परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में पंहुच गये थे। इस भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 1,064 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 662 आवेदकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और 402 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। केंद्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर कॉलेज में पंजीकृत 360 छात्रों में से 226 उपस्थित और 134 अनुपस्थित पाए गए। इसी तरह झाड़ा सिरहा शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में भी 360 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जहाँ सबसे ज्यादा 233 छात्रों ने परीक्षा दी और 127 अनुपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में पंजीकृत कुल 344 परीक्षार्थियों में से 203 उपस्थित दर्ज किए गए, जबकि 141 छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। बस्तर जिले के कलेक्टर आकाश छिकारा के नेतृत्व में सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शासन के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया गया, जिसके चलते पूरी परीक्षा बिना किसी बाधा के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

मद्देड में सात दिवसीय शिव प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

बीजापुर, 6 जुलाई। जिले के ग्राम मद्देड में भगवान भोलेनाथ के सात दिवसिय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ आज रविवार को हो गया है, पूरे गांव में शिवमय वातावरण बना हुआ है। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है।आयोजन समिति के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत सोमवार को वैदिक विधि-विधान के अनुसार चतुषष्ठी योगिनी, चतुर्लिंग भद्र मंडल, सर्वतोभद्र मंडल, नवग्रह, क्षेत्रपाल, वास्तु पुरुष, विनायक पूजन, सप्त घृत मातृका, अष्टदल तथा महामृत्युंजय अक्षत सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भगवान शिव की प्रतिमा को अस्थायी मंदिर से बाजे-गाजे, ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के बीच नगर भ्रमण कराया जाएगा। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति ने सभी सनातन धर्मावलंबियों से शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की गई है।विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और पूजन संपन्न कराया जाएगा। मद्देड में आयोजित यह सात दिवसीय धार्मिक महोत्सव क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है।

विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल का साप्ताहिक मिलन आयोजित

जगदलपुर,6 जुलाई । विश्व हिंदू परिषद - बजरंग दल द्वारा आयोजित साप्ताहिक मिलन कार्यक्रम प्रभु श्रीहनुमान की कृपा एवं सभी धर्मप्रेमी बंधुओं के सहयोग से आज रविवार को बराई हनुमान मंदिर लामनी चौक के पास आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, महाआरती, संगठनात्मक चर्चा तथा सेवा, सुरक्षा एवं संस्कार के संकल्प को लेकर संपन्न हुआ। इस दौरान बजरंग दल जिला संयोजक विष्णु ठाकुर, नगर सह संयोजक अजय प्रताप सिंह, लखन सेना, गीतेश संघाड़े, सूरज पटनायक ,शौर्य इनानी,बृजेश चौहान ,योगेश गोकुल पाणिग्रही, लक्ष सेठिया, अनिल सिसोदिया, योगेश दास एवं अन्य भक्तजन मौजूद रहे। इस आयोजन में अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं सहयोग प्रदान करने वाले सभी वरिष्ठजनों, कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं धर्मप्रेमी बंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।जिला संयोजक विष्णु ठाकुर ने कहा कि आप सभी का सहयोग ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है।उन्होने अमरनाथ यात्रा की सूचना सबको दी और प्रांत की आगामी बैठक की सूचना सब तक पहुंचायी ,सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने राष्ट्र, धर्म और समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

214 किलो गांजा के साथ तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 6 जुलाई। बस्तर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नगरनार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 214.300 किलोग्राम गांजा के साथ एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक करोड़ सात लाख पंद्रह हजार रुपये मूल्य का गांजाए परिवहन में प्रयुक्त महिंद्रा बोलेरो पिकअपए मोबाइल फोन और नगदी जब्त की है। वहीं एक अन्य आरोपी बारिश और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गयाए जिसकी तलाश जारी है।पुलिस के अनुसार जिले में ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते होने वाली गांजा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशनए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में गठित टीम को 4 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश नंबर की एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप में बड़ी मात्रा में गांजा लेकर दो व्यक्ति ओडिशा से धनपुंजी होते हुए जगदलपुर की ओर आ रहे हैं।सूचना मिलते ही नगरनार पुलिस ने धनपुंजी फॉरेस्ट नाका के पास नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच शुरू की। कुछ देर बाद मुखबिर द्वारा बताए गए नंबर की सफेद महिंद्रा बोलेरो पिकअप वहां पहुंची। पुलिस ने जैसे ही वाहन को रोककर जांच शुरू कीए वाहन में बैठा एक व्यक्ति बारिश और अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग निकला। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने चालक को तत्काल पकड़ लिया।पूछताछ में गिरफ्तार चालक ने अपना नाम विजय पाण्डेय 34 वर्ष निवासी राजेंद्र नगर पश्चिम थाना गोरखनाथ जिला गोरखपुर उत्तर प्रदेश बताया। उसने फरार साथी की पहचान सोनू यादव, निवासी गोरखपुर उत्तर प्रदेश के रूप में की। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसके डाले में रखी नौ प्लास्टिक बोरियों से कुल 105 पैकेट गांजा बरामद हुआ। वजन करने पर इसकी मात्रा 214.300 किलोग्राम निकलीए जिसकी अनुमानित कीमत 1.07.15.000 रुपये आंकी गई।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजे के अलावा परिवहन में प्रयुक्त महिंद्रा बोलेरो पिकअपएक सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन तथा 700 रुपये नगद भी जब्त किए। जब्त संपत्ति की कुल कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ओडिशा से गांजे की खेप लेकर उत्तर प्रदेश जा रहे थे। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश के साथ.साथ इस पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क की भी जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गांजा कहां से लोड किया गया था और इसकी अंतिम सप्लाई किसे की जानी थी।आरोपी विजय पाण्डेय के खिलाफ थाना नगरनार में एनडीपीएस एक्ट की के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय भेज दिया गया है। वहीं फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह उपनिरीक्षक सतीश यदुराजए प्रशिक्षु उपनिरीक्षक दीपक कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक अजय साहू, तुलसीदास कश्यपए आरक्षक दशरू नागए विक्रम उरांवए यशवंत डीएसएफआरक्षक भास्कर भारद्वाज तथा चालक आरक्षक अविनाश मांझी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

केशकाल में टाटामारी की प्राकृतिक खूबसूरती पूरे शबाब पर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंडागांव, 6 जुलाई । जिले के केशकाल में स्थित टाटामारी मानसून की पहली फुहारों के साथ ही प्राकृतिक खूबसूरती और भी निखर उठी है। हरे.भरे पहाड़ ठंडी हवाएं और बादलों से ढकी वादियां इस स्थल को किसी जन्नत से कम नहीं बना रही हैं। इसी कारण इन दिनों यहां पर्यटकों की भीड़ देखने को मिल रही है।

मानसून के मौसम में टाटामारी में प्रकृति अपने पूरे शबाब पर होती है। दूर तक फैली हरियालीए पहाड़ियों से दिखाई देने वाला विहंगम दृश्य और शांत वातावरण सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। यहां पहुंचने वाले लोग न सिर्फप्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे हैंए बल्कि यादगार पल कैमरे में भी कैद कर रहे हैं। सुबह और शाम का मनमोहक दृश्य इस जगह की खूबसूरती को और बढ़ा देता है। स्थानीय लोगों का कहना है किए बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता का अपना ही अलग आकर्षण हैए और केशकाल का टाटामारी क्षेत्र पर्यटकों को एक विशेष सुकून का अनुभव कराता है। यहां आने वाला हर पर्यटक प्रकृति के बेहद करीब महसूस करता है। टाटामारी अब पर्यावरण प्रेमियोंए फोटोग्राफी के शौकीनों और प्रकृति के बीच शांत समय बिताने वालों के लिए एक पसंदीदा पर्यटन स्थल बनता जा रहा है।

भाजपा मंडल भानपुरी की मासिक बैठक आयोजित

जगदलपुर, 6 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी मंडल भानपुरी की मासिक बैठक आज रविवार को भाजपा कार्यालय, भानपुरी में हुई। बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी नरसिंह राव ने संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों तथा बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने पर मार्गदर्शन दिया। जिला कार्यकारिणी सदस्य विजय पांडे ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं मंडल अध्यक्ष प्रवीण सांखला ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए सभी कार्यकर्ताओं से संगठन के कार्यक्रमों को पूरी सक्रियता एवं समर्पण के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

दिशांत संजीवनी वेलफेयर सोसायटी की तरफ से भैरमगढ़ अस्पताल में मरीजों और परिजनों को हर रविवार को मिलेगा निःशुल्क भोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 6 जुलाई। भैरमगढ़ निवासी अजय सिंह द्वारा अपने चहेते पुत्र दिशांत सिंह की याद में दिशांत संजीवनी वेलफेयर सोसायटी का गठन किया गया है। संस्था द्वारा रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैरमगढ़ में भर्ती मरीजों एवं उनके साथ आए परिजनों के लिए निशुल्क भोजन एवं अंडा वितरण किया। इस मानवीय पहल से अस्पताल में मौजूद जरूरतमंद लोगों को राहत मिली।

संस्था प्रमुख अजय सिंह ने घोषणा किया है कि अब प्रत्येक रविवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैरमगढ़ में मरीजों और उनके परिजनों को दिशांत संजीवनी वेलफेयर सोसायटी द्वारा नियमित रूप से निःशुल्क भोजन एवं अंडा उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उपचार के दौरान उन्हें भोजन की चिंता न करनी पड़े।गौरतलब है कि दिशांत संजीवनी वेलफेयर सोसायटी इससे पहले भी जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे चुकी है। संस्था ने पूर्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैरमगढ़ को एक एंबुलेंस भी भेंट की थी, जिससे क्षेत्र के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है।स्थानीय लोगों ने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। नियमित भोजन वितरण से अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

जनता के सभी मुद्दों पर जनता की आवाज़ बनेगी आम आदमी पार्टीः समीर खान

जगदलपुर, 6 जुलाई। आम आदमी पार्टी, बस्तर जिला की प्रेस वार्ता जगदलपुर के प्रेस क्लब में सपन्न हुई आज जगदलपुर में आयोजित प्रेस वार्ता प्रदेश सह प्रभारी सौरभ झा और प्रदेश संगठन मंत्री समीर खान ने ली प्रेस वार्ता में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश सह प्रभारी सौरभ झा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सदस्यता अभियान एक जुलाई से शुरु है सभी वर्गों को इस सदस्यता अभियान के तहत साधने का प्रयास आम आदमी पार्टी की रहेगी। इस बार आम आदमी पार्टी पुरे छत्तीसगढ़ में नये जोश और दम ख़म के साथ चुनाव पुरे सीटों पर लड़ेगी।

स्काउट एवं गाइड एक संगठन नहीं,संस्कार,अनुशासन व सेवा की पाठशाला है :किरण सिंह देव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 6 जुलाई। भारत स्काउट एवं गाइड जिला बस्तर के जिला मुख्य आयुक्त सुरेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में स्काउट एवं गाइड परिवार ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से सौजन्य भेंट कर जिले में संचालित स्काउट एवं गाइड की गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। इस दौरान बस्तर जिले में स्काउट एवं गाइड को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं और संसाधनों की आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा हुई।प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि शिक्षा विभाग के सहयोग से जिले के शासकीय विद्यालयों में भारत स्काउट एवं गाइड का संचालन निरंतर किया जा रहा है। संस्था विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, चरित्र निर्माण, आत्मनिर्भरता, सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रप्रेम जैसे मूल्यों का विकास कर उन्हें आदर्श नागरिक बनाने का कार्य कर रही है। स्काउट एवं गाइड का ध्येय सदैव तत्पर की भावना के साथ सेवा, सहयोग और संस्कारों को जीवन का हिस्सा बनाना है।जिला मुख्य आयुक्त सुरेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि बस्तर जिले में स्काउट एवं गाइड के माध्यम से विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सेवा, स्वच्छता अभियान, नेतृत्व प्रशिक्षण एवं व्यक्तित्व विकास जैसी गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक संसाधन एवं सुविधाएं उपलब्ध हों तो जिले के हजारों विद्यार्थियों को इस अभियान से जोड़कर उनके व्यक्तित्व विकास के साथ साथ राष्ट्र निर्माण की दिशा में और अधिक प्रभावी कार्य किए जा सकते हैं।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने स्काउट एवं गाइड परिवार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड केवल एक संगठन नहीं बल्कि संस्कार, अनुशासन, सेवा और नेतृत्व की पाठशाला है। उन्होंने कहा कि ऐसे संगठन नई पीढ़ी को जिम्मेदार, राष्ट्रभक्त एवं समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने सुरेश गुप्ता सहित स्काउट एवं गाइड से जुड़े सभी शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के विकास और आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।भेंट के दौरान स्काउट एवं गाइड परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि जनप्रतिनिधियों एवं समाज के सहयोग से बस्तर जिले में स्काउट एवं गाइड का दायरा और अधिक विस्तृत होगा तथा अधिकाधिक विद्यार्थियों को इससे जोड़कर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण की दिशा में सार्थक कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर रोशन झा, परमेश राजा, मनोज महापात्र जिला आयुक्त, लिलेश कुमार देवांगन जिला सचिव, दशरू राम यादव जिला संगठन आयुक्त, स्काउट श्रीमती मीरा हिरवानी, जिला संगठन आयुक्त गाइड राज किशोर तिवारी, जिला क्वाटर मास्टर गोपेंद्र सिंह शार्दुल, जिला कोषाध्यक्ष विजय चंद्राकर, जिला मीडिया प्रभारी गिरवर सिंह रावटे, तनुल गुप्ता, नीरज मरावी, श्रीमती दीप्ति बारले उपस्थित रहे।

श्मशानघाट में हरियाली के लिए टेकनार में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने किया पौधरोपण

दंतेवाड़ा, 6 जुलाई । जिले में हरित दंतेवाड़ा के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से संचालित वृहद पौधरोपण अभियान के तहत शुक्रवार को ग्राम पंचायत टेकनार के समसानघाट परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 1 से 7 जुलाई तक चल रहे इस विशेष अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी रहे। उनके साथ जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कमला विनय नाग, श्रीमती तिलेश्वरी नाग, जनपद पंचायत सदस्य श्री रामू नेताम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्री जयंत नाहटा, वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) अधिकारी श्री प्रदीप कुमार पटेल सहित ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सीड ड्रिल तकनीक और सरकारी योजनाओं से बदली किसान भूपेश की तकदीर

■ किसान हितैषी योजनाओं के संचालन के लिए शासन प्रशासन का जताया आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 6 जुलाई। शासन की किसान हितैषी योजनाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों के मेल ने राज्य के अन्नदाताओं के जीवन में समृद्धि का एक नया अध्याय लिखना शुरू कर दिया है। बालोद जिले के ग्राम सोंहपुर के किसान भूपेश कुमार साहू ने पारंपरिक खेती को छोड़कर आधुनिकता का रास्ता अपनाया और आज वे अन्य किसानों के लिए एक प्रेरणास्रोत बन चुके हैं।

किसान भूपेश कुमार साहू पहले पारंपरिक रूप से धान की छिड़काव पद्धति से बुवाई करते थे, जिसमें बीज और लागत दोनों अधिक लगती थी। लेकिन पिछले चार वर्षों से उन्होंने कृषि विभाग के मार्गदर्शन में सीड ड्रिल मशीन के माध्यम से धान की बुवाई शुरू की। इस आधुनिक तकनीक को अपनाने से उन्हें कई प्रत्यक्ष लाभ मिले हैं। छिड़काव पद्धति की तुलना में अब बुवाई के लिए काफी कम धान (बीज) की आवश्यकता होती है। सीड ड्रिल से बुवाई करने के कारण पारंपरिक रोपाई में लगने वाला भारी-भरकम मजदूरी खर्च पूरी तरह बच गया है। लाइनों में बुवाई होने से फसलों को सही पोषण मिलता है, जिससे कम समय और कम लागत में धान का उत्पादन पहले से कहीं अधिक और बेहतर आ रहा है।

तकनीक के साथ-साथ किसान भूपेश साहू को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है, जिसने उनकी आर्थिक स्थिति को बेहद मजबूत कर दिया है। किसान सम्मान निधि योजना के तहत उन्हें प्रति वर्ष छह हजार की सुनिश्चित वित्तीय सहायता मिल रही है। कृषक उन्नति योजना से उन्हें धान का 3,100 रूपए प्रति क्विंटल का बढ़ा हुआ मूल्य मिल रहा है, जिससे उनका शुद्ध मुनाफा काफी बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारी समय-समय पर खेतों का रुख कर उन्हें आधुनिक तकनीकों, कीट प्रबंधन और उन्नत खेती के गुर सिखाते हैं।किसान भूपेश ने बताया कि पहले खेती में लागत ज्यादा थी और मुनाफा कम। जब से सीड ड्रिल को अपनाया और सरकार की योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हुआ, तब से खेती घाटे का सौदा नहीं रही। कम समय और कम दाम में अब बेहतर उत्पादन मिल रहा है। उसने किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आज सरकार की नीतियों के कारण ही गाँव के लघु किसान भी स्वावलंबी और सशक्त बन रहे हैं।

सुशासन से चरवाहे बालमुकुंद के परिवार को मिला सरकारी योजनाओं का चौतरफा लाभ

■ बालमुकुंद ने योजनाओं का लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री साय के प्रति जताया आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

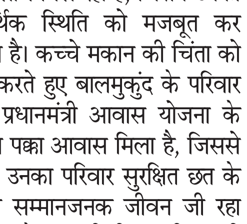

बालोद, 6 जुलाई । कहते हैं कि अगर सरकार की नीतियां सही और योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर हो, तो उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक जरूर पहुँचता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण जिले के ग्राम सोहपुर में देखने को मिला है। यहाँ के निवासी और पेशे से चरवाहा श्री बालमुकुंद यादव, जो रोजाना मवेशी चराने का कार्य करते हैं, आज शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं ने उनके परिवार के जीवन की राह को आसान और सुरक्षित बना दिया है।

बालमुकुंद यादव के परिवार को छत्तीसगढ़ शासन और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जिसने उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर दिया है। कच्चे मकान की चिंता को दूर करते हुए बालमुकुंद के परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिला है, जिससे अब उनका परिवार सुरक्षित छत के नीचे सम्मानजनक जीवन जी रहा है। उनके घर की रीढ़ यानी उनकी माता जी और पत्नी को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रति माह सीधे बैंक खाते में राशि प्राप्त हो रही है। इससे घर की महिलाओं को छोटे-मोटे खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। चूंकि बालमुकुंद भूमिहीन हैं, इसलिए दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत उनके परिवार को प्रतिवर्ष 10,000 रूपए की आर्थिक सहायता मिल रही है, जो जरूरत के समय उनके लिए बड़ा सहारा बनती है। अपनी इस अपार खुशी को साझा करते हुए बालमुकुंद यादव भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि हम जैसे गरीब परिवारों के लिए पक्का मकान और हर महीने निश्चित आमदनी का होना एक सपने जैसा था। लेकिन सरकार ने हमारी सुध ली। अब हमारी माता और पत्नी के खाते में पैसे आते हैं और सालाना मिलने वाली सहायता से जरूरत के समय में बड़ी मदद हो जाती है। बालमुकुंद ने इन सभी लोक-कल्याणकारी योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया है।

एक नजर

मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 और मनरेगा के समन्वय से महासमुंद में जल संरक्षण को मिली नई दिशा

महासमुंद 6 जुलाई । जिले में भू-जल स्तर बढ़ाने और वर्षा जल के अधिकतम संरक्षण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0% एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के प्रभावी समन्वय से व्यापक स्तर पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए गए हैं। इन प्रयासों से महासमुंद जिले में जल संरक्षण को नई दिशा मिली है।जिला कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले की सभी 551 ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी के साथ भू-जल संवर्धन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई। अभियान के तहत बोरी बंधान, डब्ल्यू.ए.टी., एस.सी.टी., प्रधानमंत्री आवासों में सोख्ता गड्ढे, 5 प्रतिशत मॉडल, ब्रश वुड जैसी लघु जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कराया गया। वहीं मनरेगा के माध्यम से गेबियन, एल.बी.सी.डी., डाइक, आजीविका डबरी, नवा तरिया, जल अवशोषण खंती, सतत कंटूर ट्रेंच, कुएं निर्माण, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग एवं बोरवेल रिचार्ज जैसे कार्यों को प्राथमिकता से स्वीकृत एवं क्रियान्वित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हेमंत नंदनवार के मार्गदर्शन में एक ही वित्तीय वर्ष में 36 हजार जल अवशोषण खंतियां, 8,200 स्टैगर्ड ट्रेंच, 30 हजार सतत कंटूर ट्रेंच, 51 डाइक, 52 गेबियन, 800 आजीविका डबरी सहित विभिन्न जल संरक्षण कार्य पूर्ण किए गए। मानसून की पहली ही बारिश में इन सभी संरचनाओं में पर्याप्त जल भराव हो गया, जिससे वर्षा जल का अपव्यय रुककर उसका भू-जल में पुनर्भरण सुनिश्चित हो रहा है।इन सभी जल संरक्षण संरचनाओं के माध्यम से जिले में लगभग 31 करोड़ लीटर पानी के एकमुश्त भंडारण की क्षमता विकसित हुई है, जिससे आने वाले समय में भू-जल स्तर में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हेमंत नंदनवार ने कहा कि जिले की 551 ग्राम पंचायतों में जल संकट की समस्या के स्थायी समाधान के लिए मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 एवं महात्मा गांधी मनरेगा के माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि मानसून की पहली बारिश से इन संरचनाओं में जल भराव होना इस अभियान की सफलता का प्रमाण है तथा यह भू-जल पुनर्भरण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से गंभीर बीमारियों के उपचार में मिल रही आर्थिक सहायता

मोहला 6 जुलाई । राज्य शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से गंभीर एवं दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित पात्र परिवारों को महंगे उपचार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रति परिवार अधिकतम 25 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है, जिससे आर्थिक अभाव उपचार में बाधा न बने। योजना का लाभ प्राथमिकता एवं अंत्योदय राशन कार्डधारी परिवारों को दिया जाता है। उपचार राज्य एवं राज्य के बाहर के शासकीय चिकित्सालयों, पंजीकृत निजी चिकित्सालयों तथा सीजीएचएस से संबद्ध चिकित्सालयों में कराया जा सकता है। योजना के तहत लिवर, किडनी, हृदय एवं फेफड़ों के प्रत्यारोपण, गंभीर हृदय रोग, हीमोफीलिया, ब्लड कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, ब्रेस्ट कैंसर, एप्लास्टिक अनीमिया, कॉक्लीयर इम्प्लांट, एसिड अटैक पीड़ितों सहित अन्य चिन्हित दुर्लभ बीमारियों के उपचार के लिए सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उल्लेखनीय है कि जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 9 हितग्राहियों को 4 लाख 50 हजार रुपये तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 3 हितग्राहियों को 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। शासन की इस पहल से गंभीर बीमारियों का समय पर उपचार संभव हो रहा है तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिल रही है।

जिले में अब तक 275.1 मिलीमीटर औसत वर्षा

महासमुंद 6 जुलाई । महासमुंद जिले में चालू मानसून के दौरान 01 जून 2026 से अब तक 275.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से मिली जानकारी के अनुसार जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा सरायपाली तहसील में 386.3 मिलीमीटर, पिथौरा में 301.3 मिलीमीटर, महासमुंद में 281.1 मिलीमीटर, बसना में 234.6 मिलीमीटर, कोमाखान में 225.1 मिलीमीटर और सबसे कम वर्षा 222.9 मिलीमीटर बागबाहरा तहसील में दर्ज की गई। आज 06 जुलाई को 85.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। जिले के तहसीलवार वर्षा में पिथौरा तहसील में 128.5 मिलीमीटर, सरायपाली में 97.7 मिलीमीटर, बसना में 90.4 मिलीमीटर, महासमुंद में 68.5 मिलीमीटर, कोमाखान में 66.5 मिलीमीटर एवं बागबाहरा तहसील में 62.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

नई सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार की लापरवाही के चलते निकासी नाली बंद होने से

वार्ड-10 के कई घरों में बारिश का पानी भर गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरुद, 6 जुलाई। कुरुद ग्राम पंचायत दहदहा के आश्रित ग्राम मौरीखुर्द के वार्ड क्रमांक 11 भाटापारा ठाकुरदेव चौक में निर्माण कार्य के दौरान बरती गई घोर लापरवाही के कारण दर्जनों घरों में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए हैं। दरअसल मौरीखुर्द से ग्राम सिरसिदा तक नई सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है, लेकिन ठेकेदार द्वारा नवनिर्माण के दौरान सड़क के दोनों तरफ पूर्व से बनी पानी निकासी की नाली को मुरूम और मिट्टी डलवाते समय पूरी तरह से पाट दिया गया। नाली बंद होने के कारण बारिश के पानी की निकासी रुक गई और पूरा पानी ग्रामीणों के घरों में घुस गया। इस लापरवाही की वजह से वार्ड के भोलाराम साहू, धनसिंह नेताम, पंचू नेताम, देव कुमार नेताम, शिवराज नेताम और शिवदयाल नेताम आदि के घरों में 3 फीट तक पानी भर गया है, जिससे घर में रखा राशन और अन्य कीमती सामान पूरी तरह से बर्बाद हो गया है। ठेकेदार की इस मनमानी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण प्रभावित परिवारों सहित पूरे गांव में गहरा आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल बंद नाली को साफ करवाकर जलभराव की समस्या से निजात दिलाई जाए।

कुरूद नगर में जलभराव से लोग परेशान रहे

कुरूद नगर में लगातार बारिश के कारण जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है, जिससे नगरवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर के केनाल रोड स्थित मुख्य नाली के पास भारी मात्रा में पानी जमा होने के कारण निकासी ठप हो गई, जिसके चलते कन्हैया ठाकुर समेत आस-पास के कई अन्य घरों में गंदा पानी भर गया है। घर के भीतर पानी घुसने से लोग दिनभर हलाकान रहे। जलभराव की यह समस्या सिर्फ एक इलाके तक सीमित नहीं रही, बल्कि नगर के ऐतिहासिक व प्राचीन श्रीराम मंदिर परिसर में भी पानी भर जाने की खबर है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी हुई। इसके अलावा दानीपारा और इंदिरा नगर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों से भी घरों और गलियों में पानी भरने की लगातार खबरें आ रही हैं। नगर की इस बदहाल व्यवस्था को लेकर स्थानीय प्रशासन और नगर पंचायत के खिलाफ लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है, और नागरिकों ने जल्द से जल्द जल निकासी की सुचारू व्यवस्था करने की मांग की है।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 6 जुलाई। जिले में रविवार सुबह एक ट्रेलर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक बाइक में सवार तीन युवकों को ठोकर मार दिया। जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई तो दूसरे अस्पताल पहुंचते ही दम तोड़ दियाए वहीं तीसरे की हालत गंभीर होने से मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उक्त घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार तमनार थाना क्षेत्र के ग्राम महालोई निवासी पद्मलोचन राठिया पिता लालसाय राठिया ;22 वर्षद्धए अपने दोस्त मुनावर राठिया पिता उसतलाल राठिया ;21 वर्षद्ध और ज्ञानचंद राठिया पिता बुधुराम राठिया ;21 वर्षद्ध के साथ रविवार को सुबह एक ही बाइक में सवार होकर किसी काम से रायगढ़ की तरफ आ रहे थे। इस दौरान चक्रधरनगर थाना क्षेत्र के पालीघाट और बंगुरसिया के बीच में पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रही ट्रेलर के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार युवकों को अपनी चपेट में लेते हुए सडक़ से उतर गई। जिससे पद्मलोचन राठिया की मौके पर ही मौत हो गईए वहीं मुनावर राठिया और ज्ञानचंद राठिया गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दियाए इससे पुलिस ने मृतक पदमलोचन के शव को मेडिकल कालेज अस्पताल भेजाए तथा मुनावर राठिया और ज्ञानचंद को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गयाए जहां प्राथमिक जांच में ही डाक्टरों ने मुनावर राठिया को भी मृत घोषित कर दिया। वहीं ज्ञानचंद को गंभीर चोट होने के कारण डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दियाए जहां उपचार के दौरान उसकी भी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

शाम तक नहीं पहुंचे थे परिजन

इस संबंध में पुलिस का कहना है कि शाम तक मृतकों के परिजन नहीं पहुंच पाए थेए जिसके चलते मुनावर राठिया का शव जिला अस्पताल तथा पद्मलोचन का शव मेडिकल कालेज अस्पताल के मरच्यूरी में रखा गया है। ऐसे में अब सोमवार को परिजनों के आने पर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

चालक फरार पुलिस कर रही तलाश

इस मामले में चक्रधर नगर थाना प्रभारी राकेश मिश्रा ने बताया किए पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही ट्रेलर ड्राइवर फरार हो गया था। ट्रेलर को जब्त कर थाने लाया गया है। मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। फरार ड्राइवर की तलाश जारी है।

ट्रेन के इंतजार में बैठा युवक 8.160 किलो गांजा के साथ पकड़ाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 6 जुलाई। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर ट्रेन के इंतजार बैठा एक अंतर्राज्जीय गांजा तस्कर को रायगढ़ जीआरपी ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 8.160 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया हैए जिसकी अनुमानित कीमत 4 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी ट्रेन से महाराष्ट्र जाने के फिराक में था।

इस संबंध में मिली जानकारी के अुनसार रविवार को सुबह जीआरपी थाना प्रभारी आरके बोर्झा को मुखबीर से सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन रायगढ़ के प्लेटफॉर्म नंबर.2.3 के झारसुगुड़ा छोर स्थित चबूतरे के पास एक युवक गहरे नीले रंग का पिठ्ठूबैग लेकर बैठा हैए जिसके बैग में गांजा रखा हुआ हैए जो किसी ट्रेन से महाराष्ट्र रवाना होने वाला है। इससे मामले को गंभीरता से लेते हुए जीआरपी टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर युवक को पकड़ कर पूछताछ किया तो उसने अपना नाम बिनोद बाग पिता निरंजन बाग 27 वर्ष निवासी ग्राम मंदबहालए थाना बांधरपाली जिला झारसुगुड़ा ओडिशा बताया। वहीं जब उसके पीठू बैग की जांच की गई तो उसमें चार पैकेट कुल कुल 8.160 किलो गांजा बरामद हुआ। वहीं आरोपी के पास से रायगढ़ से अकोला का एक रेलवे यात्रा टिकट भी बरामद किया गयाए जिससे प्रारंभिक तौर पर यह संकेत मिला कि वह गांजा महाराष्ट्र ले जाने की तैयारी में था। साथ ही उसने बताया कि सडक़ मार्ग में जांच तेज होने के कारण उसने ओडिशा से रायगढ़ तक सडक़ मार्ग से आया था और ट्रेन से उक्त मादक पदार्थ को महाराष्ट्र में पहुंचा कर वापस आताए इससे पहले ही जीआरपी की टीम ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार करते हुए ई.साक्ष्य के लिए वीडियोग्राफी के तहत जब्त और पंचनाम तैयार किया है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध किया दर्ज

प्रारंभिक जांच में आरोपी के कब्जे में अवैध रूप से गांजा रखकर परिवहन किए जाने की पुष्टि होने पर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20;बी के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की विवेचना जारी है। जीआरपी यह भी पता लगा रही है कि गांजा की खेप कहां से लाई गई थी और इसे महाराष्ट्र में कहां पहुंचाया जाना था।

भारी बारिश के बीच सहारा निवेशकों ने दिया धरना

■ **आरोपियों की गिरफ्तारी व राशि वापसी की उठाई मांग, तहसीलदार के माध्यम से जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 6 जुलाई। सहारा इंडिया में निवेश करने वाले लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और निवेशकों का पैसा वापस दिलाने की मांग को लेकर शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता नरेश कंकरवाल के नेतृत्व में तहसीलदार के माध्यम से जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रभावित निवेशकों ने भारी बारिश के बीच गांधी प्रतिमा स्थल पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन भी किया और न्याय की गुहार लगाई।

ज्ञापन में कहा गया है कि सहारा इंडिया में जिले के हजारों गरीबए मजदूर एवं मध्यमवर्गीय लोगों की वर्षों की जमा.पूंजी फंसी हुई हैए जिससे निवेशकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में प्रशासन से पांच प्रमुख मांगें रखी गई हैं। इनमें सहारा इंडिया के सभी फरार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारीए महिला आरोपियों की संपत्ति जब्त कर नीलामी की कार्रवाईए निवेशकों की राशि हड़पने वाले अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करनाए आरोपियों की चल.अचल संपत्तियों की जांच कर उन्हें कुर्क करना तथा कुर्क की गई संपत्तियों की नीलामी कर निवेशकों का पैसा वापस दिलाने की मांग शामिल है। ज्ञापन सौंपने वालों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो निवेशकों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में सहारा इंडिया के निवेशक उपस्थित रहे।

ब्लाकस्तरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं निगरानी समिति की बैठक में नियम पालन पर जोर

मोहला 6 जुलाई । स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं निगरानी समिति की बैठक का आयोजन गतदिवस को नगर पंचायत अं.चौकी के सभा कक्ष में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डॉ. हेमेन्द्र भुआर्य की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026के प्रभावी एवं कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में डिप्टी कलेक्टर सुश्री सुभागी गुप्ता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अं.चौकी श्रीमती प्रियंवदा रामटेके, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री विजय पांडे, तहसीलदार श्रीमती अनुरिमा टोप्पो सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, पशु चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अधिकारियों ने उपस्थित रहें।

शहीद अस्पताल के डॉक्टरों ने एक दिन के नवजात की सर्जरी कर जान बचाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्ली राजहरा, 6 जुलाई। दल्ली राजहरा स्थित प्रसिद्ध शहीद अस्पताल ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने एक दिन के नवजात शिशु की अत्यंत जटिल इमरजेंसी सर्जरी कर उसकी जान बचाई है।

मिली जानकारी के अनुसार, नवजात शिशु ओम्फालोसील (Omphalocele) नाम की एक गंभीर जन्मजात पेट की बीमारी से पीड़ित था। इस स्थिति में बच्चे के आंतरिक अंग (जैसे आंत या अन्य अंग) पेट के बाहर एक पतली झिल्ली में विकसित होते हैं। बच्चे की नाजुक स्थिति को देखते हुए तुरंत ऑपरेशन करना अनिवार्य था।शिशु की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रबन्धन ने आपातकालीन इमरजेंसी सर्जरी का फैसला लिया गया। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की तत्परता के कारण ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। राहत की बात यह है कि वर्तमान में बच्चा और मां दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं। इस बेहद संवेदनशील और जटिल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली सर्जिकल टीम का नेतृत्व प्रमुख डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने किया।

शहीद अस्पताल की इस त्वरित कार्रवाई और सफल चिकित्सा ने क्षेत्र में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और कुशल डॉक्टरों की टीम विपरीत परिस्थितियों में भी जीवन रक्षक साबित हो सकती है। पीड़ित परिवार ने डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है।

19 जनजातीय महिला पशुपालकों ने सीखी वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन की तकनीक

महासमुंद 5 जुलाई । आदिवासी विकास विभाग की विशेष केंद्रीय सहायता उपयोजना अंतर्गत विकासखंड बागबाहरा के माडा ग्राम जोरातराई की अनुसूचित जनजाति की महिला हितग्राहियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विशेष पहल की जा रही है। डेयरी इकाई से जुड़ी 19 महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याओं को वैज्ञानिक पशुपालन की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराने के लिए 3 जुलाई को धमतरी जिले का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. अंजना नायडू ने बताया कि ग्रामीण पशुपालन में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। पशुओं की देखभाल, चारा प्रबंधन, स्वास्थ्य संरक्षण तथा गोबर प्रबंधन जैसे अधिकांश कार्य महिलाएं ही करती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिला स्व-सहायता समूहों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक पशुपालन के लिए प्रशिक्षित और सशक्त बनाया जा रहा है।

भ्रमण के दौरान महिला पशुपालकों ने मुख्य ग्राम इकाई भोथली अंतर्गत ग्राम बोडरा स्थित गौठान एवं गोविंदी देव गौशाला का अवलोकन किया। यहां उन्होंने कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से पशुओं की नस्ल सुधार, उच्च दुग्ध उत्पादन तथा वैज्ञानिक पशुपालन की सफल व्यवस्थाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इन नवाचारों से महिलाएं काफी प्रेरित हुईं।प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने कृत्रिम गर्भाधान, उन्नत नस्ल विकास, संतुलित पशु पोषण, हरे चारे के उत्पादन तथा पैरा को यूरिया, नमक एवं चूने से उपचारित कर उसकी पोषण गुणवत्ता बढ़ाने जैसी कम लागत वाली तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। साथ ही कृषि के साथ पशुपालन को जोड़कर अतिरिक्त आय अर्जित करने के प्रभावी उपायों की जानकारी दी गई। यह शैक्षणिक भ्रमण डॉ. आर. जी. यादव एवं डॉ. ए.आर. घृतलहरे के नेतृत्व में आयोजित किया गया। मुख्य ग्राम योजना धमतरी के पशु प्रजनन विशेषज्ञ डॉ. टी.आर. वर्मा ने महिला पशुपालकों को पशु नस्ल सुधार, पशु संवर्धन, पशु पोषण तथा वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, मुख्य ग्राम इकाई भोथली के सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी श्री बी.एस. साहू ने क्षेत्र में संचालित कृत्रिम गर्भाधान एवं पशु पोषण संबंधी गतिविधियों की जानकारी साझा की।

जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल के 'नारी संगम-सीजन-3' ने छोड़ी अमिट छाप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 6 जुलाई। जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल द्वारा आयोजित नारी संगम - सीज़न 3 लव यू जिंदगी का भव्य, ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक आयोजन आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महिलाओं के नेतृत्व, सीखने, संवाद और उत्साह से परिपूर्ण इस महासम्मेलन ने एक नई पहचान स्थापित की।

कार्यक्रम में लगभग 300 संस्थाओं से 2000 से अधिक महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी महिलाओं को मेडल पहनकर उनका सम्मान किया गया । इनमें केवल रायपुर ही नहीं बल्कि बेमेतरा, राजनांदगांव, कोरबा, बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग, कुम्हारी सहित अनेक शहरों से संस्थाएं एवं प्रतिभागी शामिल हुए। पूरा सभागार महिलाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति से खचाखच भरा रहा तथा पूरे आयोजन के दौरान तालियों की गूंज लगातार सुनाई देती रही। आयोजन का वातावरण पूरे समय उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4:30 बजे हुआ। इसके पश्चात सायं 5:00 बजे से 7:00 बजे तक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र का संचालन इंटरनेशनल प्राइम ट्रेनर पीपीपी जेएफआर राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया। ÷लव यू जिंदगी÷ विषय पर आधारित अपने प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक राजेश अग्रवाल ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि ईश्वर ने हमें इतना अच्छा जीवन दिया है जो कि पूरे ब्रह्मांड में और किसी को नहीं मिला है। उसके बावजूद हम लोग छोटी-छोटी बातों को लेकर और परिस्थितियों को दोष देते हुए परेशान रहते हैं, गुस्सा करते हैं, इरिटेट, ईर्ष्या यह सब हमारी मूलभूत स्वभाव बनते जा रहा है जिसके कारण बीमारियां होती हैं। जबकि हम लोगों को हर एक परिस्थिति का सामना शांत रहकर पॉजिटिव सोच के साथ डील करना चाहिए। अपने में बदलाव के लिए प्रेक्टिस करके आनंद और खुशी हर क्षण महसूस की जा सकती है। जिंदगी से प्यार करने के तरीकों पर उन्होंने फोकस डाला। उपस्थित महिलाओं ने पूरे अनुशासन और उत्साह के साथ प्रशिक्षण का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त किए गए, जिनमें महिलाओं ने आयोजन को अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायक एवं यादगार बताया।कार्यक्रम के समापन समारोह संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल की विशेष मैगजीन वामिका का विमोचन किया गया। संस्था की अध्यक्ष धृति वैभव शर्माजी ने आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की जाएगी इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं को विशेष सम्मान भी प्रदान किए गए—इसके साथ ही कार्यक्रम में 10 भाग्यशाली प्रतिभागियों का लकी ड्रॉ निकाला गया तथा दस लकी विनर्स की घोषणा कर उन्हें आकर्षक उपहार प्रदान किए गए।कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क रखा गया, जिससे अधिक से अधिक महिलाओं को सीखने, जुड़ने और प्रेरित होने का अवसर प्राप्त हुआ। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। इस सफल आयोजन का नेतृत्व जेसीआई अध्यक्ष डॉ. धृति वैभव शर्मा द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में फाउंडर प्रेसिडेंट लीना वर्धर, चैप्टर कन्वीनर रुपाली दुबे, चैप्टर इंचार्ज आंचल पंजवानी, कार्यक्रम समन्वयक जया अरोड़ा, सचिव प्रीति अग्रवाल, समस्त पूर्व अध्यक्षों की टीम, कार्यक्रम निदेशकों एवं संपूर्ण वामा टीम का विशेष योगदान रहा। सभी के मार्गदर्शन एवं सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन सका।मीडिया प्रभारी सुमन दीवान एवं दीया मूलचंदानी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल को भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रेरणादायक, प्रशिक्षण आधारित एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किए।

नारी संगम - सीज़न 3 केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के उत्साह, सहभागिता, सीखने और सशक्त नेतृत्व का एक अविस्मरणीय उत्सव बन गया।

नकटी में घर तोड़े जाने के विरोध में कांग्रेस ने सीएम का पुतला जलाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा, 6 जुलाई। ग्राम नकटी के 85 परिवारों के घर वर्षा काल में उनके घरों को तोड़े जाने एवं उन्हें बेघर किए जाने के विरोध में तथा प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदेश एवं जिला कांग्रेस के निर्देशानुसार सिमगा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुनील माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा सरकार गरीब एवं कमजोर वर्ग के लोगों के साथ अन्याय कर रही है। वर्षा काल में परिवारों के घर तोड़कर उन्हें बेघर करना अमानवीय और संवेदनहीन कदम है। कांग्रेस पार्टी प्रभावित परिवारों के अधिकारों और न्याय की लड़ाई हर स्तर पर मजबूती से लड़ेगी तथा सरकार को उनके पुनर्वास और उचित मुआवजे के लिए बाध्य करेगी।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रिंकू भाटिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्राम नकटी के 85 परिवारों के साथ हुआ अन्याय पूरे क्षेत्र की जनता के साथ अन्याय है। कांग्रेस पार्टी तब तक संघर्ष करती रहेगी, जब तक प्रभावित परिवारों को न्याय, उचित पुनर्वास और सम्मानपूर्वक रहने का अधिकार नहीं मिल जाता। उन्होंने कहा कि यदि सरकार जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो कांग्रेस जन आंदोलन को और तेज करेगी।

उक्त कार्यक्रम में प्रदेश किसान कांग्रेस महामंत्री विवेक अग्रवाल, गोपाल शर्मा, सरपंच रणजीत सोनवानी, मंडल अध्यक्ष अशोक देवांगन, ब्लॉक कांग्रेस कोषाध्यक्ष लखन देवांगन, पार्षद परदेसी सोनकर, पूर्व पार्षद अब्दुल खान, पूर्व पार्षद राहुल शर्मा, प्रवीण भोसले, ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री अजीत भट्ट, पार्षद प्रतिनिधि गोलू पाटकर, युवक कांग्रेस नेता हितेश साहू, ब्लॉक कांग्रेस सचिव यश शर्मा, देवचरण मारकंडे, विक्रम पांडे, उत्तम जांगड़े, ब्लॉक कांग्रेस सचिव ढेलू साहू, नागेश साहू, लक्ष्मू पाटकर, गुड्डू जैन, ब्लॉक कांग्रेस मीडिया प्रभारी कृष्णा कुंजाम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

महान पुरुषों के नाम पर बने चौकों के सौंदर्यीकरण की आवश्यकता, नगर पालिका निभाए जिम्मेदारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 6 जुलाई। नगर में महान विभूतियों के नाम पर स्थापित चौक नगर की पहचान और प्रेरणा के प्रतीक हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश चौक आज उचित रखरखाव और सौंदर्यीकरण के अभाव का सामना कर रहे हैं।

विशेष रूप से पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक की प्रतिमा एवं परिसर के सौंदर्यीकरण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। इसी प्रकार नेताजी सुभाष चौक तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक की स्थिति भी अपेक्षित स्तर की नहीं है। नगर के कुछ प्रमुख चौकों को छोड़ दें तो अधिकांश स्थानों पर नियमित सफाई, हरियाली, प्रकाश व्यवस्था, रंग-रोगन और आकर्षक सजावट की जरूरत है।

तिल्दा-नेवरा एक महत्वपूर्ण औद्योगिक नगर होने के साथ-साथ राजधानी रायपुर के निकट स्थित है और तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। ऐसे में नगर के प्रमुख चौक-चौराहों का व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप शहर की पहचान को नई ऊंचाई दे सकता है।

छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा नगर के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए लगातार प्रयासरत हैं। अब आवश्यकता है कि नगर पालिका परिषद, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं समाज के सभी वर्ग मिलकर नगर के चौक-चौराहों के संरक्षण, रखरखाव और सौंदर्यीकरण की दिशा में ठोस पहल करें।

यदि महान पुरुषों के नाम पर बने चौकों का समुचित विकास और रखरखाव किया जाए, तो यह न केवल उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी, बल्कि तिल्दा-नेवरा की सुंदर, स्वच्छ और विकसित नगर की पहचान भी मजबूत होगी।

एक नजर

जिले में अब तक 107.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

बलौदाबाजार, 6 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में चालू मानसून के दौरान 1 जून से 5 जुलाई 2026 तक 107.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अब तक तहसील पलारी में 119.7मिमी, टुण्डरा में 224.5 मिमी, भाटापारा में 95.1मिमी, सिमगा में 90.8 मिमी, सोनाखान 75.3 मिमी, लवन 66.1 मिमी, कसडोल138.7 मिमी, सुहेला 85 मिमी एवं बलौदाबाजार में 76 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह कुल 971.2 मिमी वर्षा अभी तक दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 107.9 मिमी है।

पीडीएस दुकान का निरीक्षण कर कलेक्टर ने ली राशन वितरण व्यवस्था की जानकारी

बलौदाबाजार, 6 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने ग्राम खम्हारडीह स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर राशन वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राशन लेने आई महिलाओं एवं ग्रामीणों से चर्चा कर समय पर एवं निर्धारित मात्रा में राशन मिलने की जानकारी ली। कलेक्टर ने ग्रामीणों से शक्कर की कीमत के संबंध में भी जानकारी लेते हुए पूछा कि उन्हें शक्कर कितने रुपये प्रति किलोग्राम की दर से मिल रही है। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र हितग्राहियों को शासन द्वारा निर्धारित मात्रा एवं दर पर समय पर राशन उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण व्यवस्था में पूरी पारदर्शिता बनाए रखी जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वीबी जीरामजी योजना के तहत ग्राम खम्हारडीह में निर्माणाधीन नवीन पीडीएस भवन का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर नए भवन से पीडीएस दुकान का संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस निर्माण कार्य से गांव के स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल रहा है, जिससे ग्रामीणों की आजीविका को बढ़ावा मिल रहा है।

डायल-112 की तत्परता से बची सर्पदंश की शिकार 15 वर्षीय मासूम की जान

बलौदाबाजार, 6 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 5 जुलाई को डायल 112 कंट्रोल रूम को एक आपातकालीन कॉल प्राप्त हुई। ग्राम खम्हरिया रिसदा के एक सजग कॉलर ने सूचना दी कि गांव की एक 15 वर्षीय नाबालिग बच्ची को सांप ने काट लिया है और उसकी हालत गंभीर होती जा रही है।
घटना के समय मौसम बेहद खराब था;- चारों तरफ तेज बारिश, आंधी और तूफान का तांडव चल रहा था। ऐसे विपरीत हालातों में भी कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए, सिटी कोतवाली बाज़-1 की टीम को दोपहर 12:00 बजे जैसे ही इवेंट मिला, वे बिना एक पल गंवाए घटना स्थल की ओर रवाना हो गए। खराब मौसम और दृश्यता बेहद कम होने के बावजूद, सिटी कोतवाली बाज़-1 की टीम में तैनात आरक्षक क्रमांक 626 अनिल कुमार साहू और वाहन चालक खगेश मानिकपुरी ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। टीम ने बेहद कम समय में ग्राम खम्हरिया रिसदा पहुंचकर पीड़ित बच्ची को अपने वाहन में लिया और बिना वक्त गंवाए उसे जिला अस्पताल पहुंचाया।
समय पर मिला इलाज ही जिंदगी की उम्मीद- डॉक्टरों के मुताबिक, सर्पदंश के मामलों में 'गोल्डन ऑवर' (शुरुआती समय) बेहद महत्वपूर्ण होता है। अगर डायल 112 की टीम ने तेज आंधी-तूफान के बीच त्वरित कार्रवाई न की होती, तो बच्ची की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। अस्पताल में समय पर भर्ती होने के कारण अब बच्ची की हालत सुरक्षित और स्थिर है।

मातागढ़ तुरतुरिया धाम में अचानक आई भीषण बाढ़, नदी पार फंसे 200 से अधिक श्रद्धालुओं और पर्यटकों को पुलिस ने सुरक्षित निकाला

बालमदेही नदी के उफान के बीच कसडोल पुलिस के जांबाज जवानों ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 5 जुलाई। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल मातागढ़ तुरतुरिया मंदिर में 5 जुलाई को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मातागढ़ तुरतुरिया मंदिर की यात्रा पर आए 200 से अधिक भक्तों एवं पर्यटकों की जान उस समय अचानक संकट में पड़ गई, जब भारी बारिश के चलते बालमदेही नदी में अचानक भीषण बाढ़ आ गई। नदी का जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि सैकड़ों श्रद्धालु एवं पर्यटक नदी के उस पार ही फंस गए और चारों तरफ चीख-पुकार मच गई।

कसडोल पुलिस की त्वरित कार्रवाई और जांबाजी- इस आपातकालीन स्थिति की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के कुशल निर्देशन में थाना कसडोल पुलिस की टीम बिना एक पल गंवाए तत्काल मौके पर पहुंची। नदी का उफान बेहद डरावना था, लेकिन कसडोल पुलिस के जांबाज जवानों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए उफनती नदी के बीच मोर्चा संभाल लिया। कसडोल पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई का ही परिणाम था कि बेहद कम समय में नदी पार फंसे सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मानवता और सेवा की एक अद्भुत मिसाल देखने को मिली, जब कसडोल पुलिस के जवानों ने बाढ़ में फंसी असहाय बुजुर्ग महिलाओं और चलने में असमर्थ वृद्धों को अपने कंधों पर उठा लिया और उन्हें पैरागुडा के पास से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

इस बेहद संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए क्षेत्र की जनता, श्रद्धालुओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा कसडोल पुलिस की पीठ थपथपाई जा रही है और उनकी जमकर सराहना की जा रही है।

सिमगा के तिगड़ा चौक पर जलभराव से हादसे की आशंका, राहगीर परेशान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा, 6 जुलाई। नगर के तिल्दा रोड बाईपास स्थित तिगड़ा चौक, जहां से एक मार्ग तिल्दा तथा दूसरा हथबंद की ओर जाता है, इन दिनों बारिश के बाद गंभीर जलभराव की समस्या से जूझ रहा है। नगर पालिका परिषद द्वारा समुचित जल निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण हल्की से मध्यम वर्षा में भी सड़क पूरी तरह पानी में डूब जाती है। इससे राहगीरों, दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढे जलभराव के कारण दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई वाहन चालक गड्ढों में फंसकर गिर चुके हैं और यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। विशेषकर रात के समय स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है।

नगरवासियों ने नगर पालिका परिषद से मांग की है कि तिगड़ा चौक में जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराई जाए तथा क्षतिग्रस्त सड़क की शीघ्र मरम्मत की जाए, ताकि आमजन सुरक्षित आवागमन कर सकें। लोगों का कहना है कि प्रशासन को किसी बड़ी जनहानि का इंतजार करने के बजाय तत्काल आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

औद्योगिक नगर तिल्दा-नेवरा की स्वास्थ्य व्यवस्था भगवान भरोसे

- अस्पताल में शीघ्र डॉक्टरों की नियुक्ति की मांग
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टरों का अभाव
- विशेषज्ञ चिकित्सकों के कई पद हैं रिक्त
- आपातकालीन स्थिति में मरीजों को रायपुर रेफर करने की मजबूरी
- उद्योगों के बावजूद स्वास्थ्य सुविधाओं का नहीं हुआ अपेक्षित विस्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 6 जुलाई। तिल्दा-नेवरा प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक नगरों में गिना जाता है, जहाँ अनेक बड़े औद्योगिक संयंत्र संचालित हैं। इसके बावजूद नगर और आसपास के हजारों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित कई महत्वपूर्ण पद लंबे समय से रिक्त होने के कारण मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है।

प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए अस्पताल पहुँचते हैं, लेकिन डॉक्टरों की कमी के कारण उन्हें पर्याप्त चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पाती। गंभीर एवं आपातकालीन मामलों में मरीजों को रायपुर सहित अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है, जिससे उपचार में देरी और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ जाते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में बड़े-बड़े उद्योग स्थापित होने के बावजूद स्वास्थ्य अधोसंरचना का अपेक्षित विकास नहीं हुआ है।

औद्योगिक क्षेत्र की आबादी और जरूरतों को देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता तथा आवश्यक संसाधनों का विस्तार समय की मांग है।

क्षेत्रवासियों ने छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि अस्पताल में रिक्त सभी पदों पर शीघ्र नियुक्ति की जाए, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा तिल्दा-नेवरा को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए, ताकि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और समय पर उपचार मिल सके।

कलेक्टर ने किया लाहौद प्राथमिक कृषि सहकारी समिति का किया निरीक्षण

किसानों को माइक्रो एटीएम के उपयोग के लिए किया प्रेरित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 5 जुलाई। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने शनिवार को विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति लाहौद का निरीक्षण किया। उन्होंने समिति में पहुंचे किसानों से खाद-बीज की उपलब्धता, समिति के संचालन तथा कृषि संबंधी सुविधाओं की जानकारी लेते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने कलेक्टर को बताया कि उन्हें समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध हो रहा है तथा समिति प्रतिदिन सुबह लगभग साढ़े आठ बजे खुल जाता है। इस पर कलेक्टर ने समिति प्रबंधन की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें समय पर खाद-बीज सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर शर्मा ने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए शासन द्वारा नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने किसानों से इनका उपयोग करने और वैज्ञानिक खेती अपनाने का आग्रह किया।कलेक्टर ने किसानों को खरीफ सीजन के मद्देनजर फसल चयन के संबंध में भी महत्वपूर्ण सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि वर्षा कम होने की संभावना हो, तो किसान परिस्थितियों को देखते हुए धान के स्थान पर अन्य उपयुक्त फसलों की खेती पर भी विचार करें, ताकि नुकसान की संभावना कम हो। उन्होंने बताया कि धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों को राज्य शासन की ओर से 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की आदान सहायता भी प्रदान की जाती है।

इस दौरान कलेक्टर शर्मा ने पैक्स कम्प्यूटरीकरण की व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने समिति प्रबंधक से सॉफ्टवेयर में लॉग-इन कर कृषि ऋण सहित विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं की जानकारी देखी तथा किसानों से कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने निर्देश दिए कि पैक्स कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से किसानों को सभी सेवाएं पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं।

महुआ शराब बिक्री के आरोप में युवक गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 6 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक ओ.पी.शर्मा के कुशल निर्देशन में 5 जुलाई को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर चौकी सोनाखान की पुलिस टीम द्वारा ग्राम देवतराई में घेराबंदी कर अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचिया से ?1800 कीमत मूल्य का 09 बल्क लीटर अवैध महुआ जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध पुलिस चौकी सोनाखान में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। आरोपिया- रंजीत सागर उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम देवतराई चौकी सोनाखान है।

शपथ पत्र

मैं आयतु हेमला पिता बोड्डा हेमला उम्र 61 वर्ष, ग्राम गंगालूर तहसील-गंगालूर, जिला बीजापुर, (छ.ग.) का निवासी हूं।

मैं ग्राम गंगालूर तहसील-गंगालूर, जिला बीजापुर (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूं।

मेरा पुराना नाम अयकु हेमला है और मैं अपना नाम बदलकर आयतु हेमला करवाना चाहता हूँ।

मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं हैं और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।

मैं नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।

मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

आयतु हेमला
शपथकर्ता

प्रारूप-(तीन)
शपथ पत्र
(नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मैं श्रीमती सोमली ताती (माता/पिता पालक का नाम) पति मंगू ग्राम-पालनार की निवासी हूं।

मैं ग्राम-पालनार, तहसील गंगालूर, जिला-बीजापुर (छ.ग.) की स्थायी निवासी हूं।

मैं अपने नाबालिग पुत्री सुशीला ताती (SUSHILA TATI) एवं जन्मतिथि 24/06/2005 से बदलकर पिंकी ताती (PINKI TATI) एवं जन्मतिथि 08/09/2007 सुधार करवाना चाहती हूं।

मैं अपने पुत्री का नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगी।

मैं अपने पुत्री सुशीला ताती (SUSHILA TATI) को हमारे/हमारी नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं।

सोमली ताती
माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

कार्यालय नगर पंचायत गीदम, जिला द.ब. दंतेवाड़ा (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट तृतीय निविदा सूचना
Main Portal: (http://eproc.cgstate.gov.in)

क्रमांक/952/लो.नि.वि./न.पं./2026-27 **गीदम, दिनांक 03/07/2026**

नगर पंचायत गीदम द्वारा छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई रजिस्ट्रेशन में 'डी' एवं उपर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ई-टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	निविदा राशि	धरोहर राशि
1	194813	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of GEEDAM, Chhattisgarh	32.71	16400.00

निविदा प्रपत्र पर ऑनलाईन वेबसाईट Main Protal: http://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 03/07/2026 को सायं 9.00 बजे से देखे/क्रय एवं निविदा की कार्यवाही किये जा सके हैं। अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा विवरण उपरोक्त वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी देखी जा सकती है। धरोहर (अमानत) राशि एवं निविदा प्रोसेसिंग फीस हेतु निर्धारित राशि को ऑन लाईन जमा कर पावती को सिस्टम टेण्डर में अपलोड करना अनिवार्य है। किसी प्रकार की संशोधन किये जाने पर पृथक से सूचना प्रकाशित नहीं की जायेगी. कृपया वेबसाईट का अवलोकन कर निविदा की कार्यवाही करें।

टीपः- निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने हेतु सक्षम श्रेणी पंजीकृत ठेकेदारों को उक्त वेबसाईट में पंजीकरण अनिवार्य है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गीदम
जिला द.ब. दंतेवाड़ा (छ.ग.)

300 से अधिक विद्यार्थी बने युवान कार्यक्रम का हिस्सा

वन भ्रमण, सीड बॉल रोपण एवं प्रकृति संरक्षण की जानकारी प्राप्त की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 5 जुलाई। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के निर्देशानुसार बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत प्रत्येक शनिवार संचालित किए जा रहे युवान कार्यक्रम के तहत शनिवार को विभिन्न वन परिक्षेत्रों में विद्यार्थियों के लिए वन भ्रमण, प्रकृति शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने युवान कार्यक्रम से जुड़कर वन, वन्यजीव, जल, मृदा एवं जैव विविधता संरक्षण के प्रति व्यवहारिक जानकारी प्राप्त किया और प्रकृति संरक्षण का सन्देश दिया।

कार्यक्रमों के अंतर्गत सोनाखान, देवपुर, अर्जुनी, बल्दाकछार एवं बलौदाबाजार वन परिक्षेत्रों के विभिन्न परिसरों एवं विद्यालयों में विद्यार्थियों को वन भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें वनों एवं वन्यजीवों का मानव जीवन में महत्व, जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, जल एवं मृदा संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि प्रकृति संरक्षण में युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी भविष्य के सुरक्षित पर्यावरण के लिए अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रमों में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने सीड बॉल रोपण, बीज रोपण, पौधारोपण तथा वन महोत्सव जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। फलदार एवं स्थानीय प्रजातियों जैसे आम, कोसम, चार, बहेड़ा, जामुन, नीम, आँवला एवं अन्य उपयोगी प्रजातियों के संरक्षण एवं प्राकृतिक पुनर्जनन के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही जल एवं मृदा संरक्षण के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों तथा वन प्रबंधन समितियों की भूमिका से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।

युवान कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जोड़ते हुए पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। कई स्थानों पर विद्यार्थियों को औषधीय पौधों की उपयोगिता, मिट्टी कटाव की रोकथाम, जल संरक्षण उपायों तथा प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन के बारे में भी व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई।

इस संबंध में वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि युवान कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें सीधे प्रकृति के बीच सीखने का अवसर प्रदान करना है। जब बच्चे जंगल, जल स्त्रोत, वन्यजीव एवं जैव विविधता को निकट से समझेंगे, तभी उनमें प्रकृति संरक्षण के प्रति स्थायी संवेदनशीलता विकसित होगी।

एक नजर

8वीं से 12वीं तक के छात्रों को मिलेगी फ्री कोचिंग

रायपुर, 6 जुलाई। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक नई डिजिटल पहल शुरू की है। बोर्ड ने छात्रों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से 19 मुफ्त ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध कराए हैं। इन पाठ्यक्रमों के जरिए विद्यार्थी घर बैठे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), पायथन प्रोग्रामिंग, कोडिंग, साइबर सिक्योरिटी, वेब टेक्नोलॉजी समेत कई उभरते क्षेत्रों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इन कोर्स के लिए छात्रों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। आमतौर पर एआई पायथन, कोडिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे विषयों की ट्रेनिंग के लिए निजी संस्थानों में मोटी फीस चुकानी पड़ती है। लेकिन अब CBSE से संबद्ध स्कूलों के छात्र इन विषयों को मुफ्त में सीख सकेंगे। बोर्ड ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे इस पहल की जानकारी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक छात्र इसका लाभ उठा सकें। इन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के सहयोग से तैयार किया गया है। सभी कोर्स NIELIT के डिजिटल यूनिवर्सिटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराए गए हैं। CBSE का उद्देश्य छात्रों को शुरुआती स्तर से ही नई तकनीकों से परिचित कराना है, ताकि उच्च शिक्षा और भविष्य के रोजगार में उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सके।

निगम के 10 एल्डरमैनों का सदन में स्वागत, महापौर ने दी शुभकामनाएं

रायपुर, 6 जुलाई। रायपुर नगर निगम की विशेष सम्मिलन बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा मनोनीत 10 नए एल्डरमैनों का निगम सदन में औपचारिक स्वागत किया गया। नगर निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के सामान्य सभा सभागार में आयोजित बैठक में महापौर मीनल चौबे, नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी और नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने नवनामांकित पार्षदों (एल्डरमैनों) को बुके भेंट कर आत्मीय स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर निगम सदन में नव मनोनीत एल्डरमैन रामकिकर सिंह, विनय ओझा, मनीष करडमुजे, मित्रसेन धीमान, राजू राधवानी, गोपाल सोना, बी. श्रीनिवास राव, गोपी साहू, विक्रम सिंह ठाकुर और ऋषि साहू का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी रही। सभी नव मनोनीत एल्डरमैनों से शहर के विकास और जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

कांग्रेसी झूठे नैरेटिव सेट कर अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही : अनुराग

रायपुर, 6 जुलाई। छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव ने कहा है कि नकटी ग्राम में हटाए गए अतिक्रमण के वास्तविक सत्य सामने आने के बाद से पूरे प्रकरण का नीर-क्षीर सत्य प्रकाश में आ गया है और इस मामले में फैलाई जा रहे झूठ और अफवाहों का सच भी उजागर हो गया है। सिंहदेव ने यहां भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष सिंहदेव ने इस पूरे मामले में पूरे नकटी ग्राम को उजाड़ दिए जाने के फैलाई जा रहे झूठ का प्रतिवाद करते हुए कहा कि नकटी ग्राम के कुल रकबे की वास्तविक जानकारी हम सबको होनी चाहिए। इस ग्राम की कुल आबादी 2110 है तथा इस ग्राम में शासकीय भूमि 22.736 हेक्टेयर है, निजी भूमि यहां पर 24.175 हेक्टेयर है इसके अतिरिक्त वहां पर चारागाह के रूप में कुछ अतिरिक्त भूमि है। सिंहदेव ने बताया कि इस पूरे मामले में 2022 के पटवारी प्रतिवेदन में यह स्पष्ट किया गया था कि यह अतिक्रमण सिर्फ 3 हेक्टेयर शासकीय जमीन पर है। जिस पर कच्चे मकान व बाड़ी चिन्हांकित की गई थी। इसके बाद जो अतिक्रमण हुआ वह 2022 और 2023 का है। इस पूरे मामले में एक नोटशीट तहसीलदार द्वारा चलाई गई उसकी विस्तार से चर्चा करते हुए सिंहदेव ने कहा कि उस समय योजनाबद्ध ढंग से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया। यह ऑनलाइन रिकॉर्ड है इससे पहले हाईकोर्ट में भी रिट दायर की गई थी। जिसमें हाईकोर्ट ने भी इस चारागाह व शासकीय भूमि माना था। सिंहदेव ने कहा कि इस पर अतिक्रमण का रकबा 29000 वर्गफुट के 2 कब्जाधारी, 17000 वर्गफुट के 5 कब्जाधारी एवं 10 हजार वर्गफुट के 20 कब्जाधारी है। जहां 50 लाख तक के पक्के मकान थे।

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष सिंहदेव ने कहा कि विधायक आवास के लिए यह अतिक्रमण हटाए जाने की बात कह कर नैरेटिव सेट करने का प्रयास किया गया है। सिंहदेव ने कहा कि 1 सितंबर 2020 को कांग्रेस के तत्कालीन आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर के विभाग ने प्रस्ताव दिया था कि सामान्य आवास के लिए यह भूमि हमें प्रदान की जाए। इसके बाद इस भूमि पर रिसेंट एक पत्र वर्तमान आवास एवं पर्यावरण मंत्री का भी है जो 2 फरवरी 2026 को लिखा गया था। उन्होंने बताया कि यह भूमि हमारे पास नहीं है और विधायक आवास बनाना है यह प्रस्ताव विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष की एक कमेटी निर्णय लेती है। इस अवधि तक इस प्रकार की कोई योजना नहीं थी। आज की स्थिति में वह भूमि राजस्व विभाग के खाते में है किसी भी अन्य विभाग के खाते में नहीं। सिंहदेव ने कहा कि यह जो नैरेटिव बना कि यह जमीन विधायक आवास के लिए खाली कराई गई है यह विषय कहां से आया? निश्चित रूप से यह विषय एक बड़े फेक नैरेटिव पर आधारित है।

पीएम आवास दिलाने में बीरगाँव प्रदेश में अव्वल

रायपुर, 6 जुलाई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में शहरी निर्धन परिवारों को स्वयं का आवास उपलब्ध करने की जो पहल छत्तीसगढ़ में शुरू की गई है उसमे बीरगांव नगर निगम में सर्वाधिक 300+ परिवारों को आवास प्रदान कर राज्य के नगरीय निकायों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उपमुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव आर. संगीता के सतत निर्देशन में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 'मोर जमीनङ्गमोर मकान' घटक के तहत 300 हितग्राहियों के पक्के आवासों का निर्माण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है।

नगर पालिक निगम बीरगांव के आयुक्त युगल किशोर उर्वशा ने इस उपलब्धि के लिए उप मुख्यमंत्री साव व विभागीय सचिव के सतत मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताते हुए निगम के अधिकारी कर्मचारियों एवं मैदानी अमले की सराहना की है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत ऐसे पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया, जिनके पास स्वयं का भूखंड उपलब्ध था। शासन द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता एवं निगम प्रशासन की सतत मॉनिटरिंग, तकनीकी मार्गदर्शन तथा समयबद्ध क्रियान्वयन व निरंतर जागरूकता कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप 300+ परिवारों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण आवास तैयार हो चुके हैं। इन हितग्राहियों का गृह प्रवेश भी अतिशीघ्र एक

गरिमामय समारोह में होगा। आयुक्त उर्वशा ने आगे बताया कि योजना के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक निर्माण चरण की जियो-टैगिंग की गई। निर्माण प्रगति के सत्यापन के उपरांत हितग्राहियों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से समय पर किस्तों की राशि हस्तांतरित की गई। समयबद्ध वित्तीय सहायता उपलब्ध होने से हितग्राहियों ने निर्धारित अवधि में अपने आवासों का निर्माण पूर्ण किया। उल्लेखनीय है की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विजन तथा उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के निर्देशन में प्रदेश में शहरी गरीबों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। विभाग की सचिव आर. संगीता के मार्गदर्शन में योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

सौजन्य मुलाकात

रायपुर, 6 जुलाई। शहीद वीरनारायण सिंह के जन्मभूमि एवं कर्मभूमि की पावन धरा पर बलौदाबाजार में नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी बलौदाबाजार संदीप शर्मा को सर्व आदिवासी समाज के जिला प्रतिनिधि मंडल पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश ध्रुव, जिला उपाध्यक्ष भानु ध्रुव,मनोहर मंडावी, सर्व आदिवासी समाज बलौदाबाजार महिला प्रभाग के जिला सचिव राधा ध्रुव,जिला सहसचिव अभय लाल ध्रुव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

माँ गोदावरी आनंदवन में योग शिविर

रायपुर, 6 जुलाई। माँ गोदावरी आनंदवन आश्रम में सन टू ह्यूमन फाउंडेशन के द्वारा विशेष योग, प्राणायाम एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के साधकगण, प्रबुद्धजन, योग प्रेमी एवं आश्रम में निवासरत बुजुर्ग माता-पिता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ, निरोग एवं संतुलित जीवन का संदेश दिया। योग शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान, सूक्ष्म व्यायाम एवं श्वास संबंधी अभ्यास कराए गए। साथ ही योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। बुजुर्गों की आयु एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें सरल एवं सहज योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया, जिससे वे नियमित रूप से योग को अपने जीवन का हिस्सा बना सकें। शिविर के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ एवं ऊर्जावान रहता है, मानसिक तनाव कम होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा सकारात्मक सोच का विकास होता है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की वह अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाती है।

इस अवसर पर आश्रम ट्रस्ट के योगेश तिवारी ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा, उनका सम्मान और उनके स्वास्थ्य का संरक्षण समाज का नैतिक दायित्व है। योग जीवन को स्वस्थ, अनुशासित और संतुलित बनाने का सबसे सरल एवं प्रभावी माध्यम है। बढ़ती उम्र में नियमित योग एवं प्राणायाम करने से अनेक बीमारियों से बचाव होता है तथा मन प्रसन्न और सकारात्मक बना रहता है। उन्होंने कहा कि माँ गोदावरी आनंदवन में निवासरत प्रत्येक बुजुर्ग हमारे परिवार का अभिन्न सदस्य है। आश्रम में उनके स्वास्थ्य, भोजन, उपचार, मनोरंजन, मानसिक संतुलन एवं सम्मानपूर्ण जीवन के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण, योग शिविर एवं प्रतिदिन सुबह में आश्रम आश्रम में योग करवाता हु एवं , आध्यात्मिक प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन कर बुजुर्गों को परिवार जैसा स्नेहपूर्ण वातावरण प्रदान किया जाता है।

खाद्य मंत्री ने भाजपा किसान नेता तिवारी को दी बधाई

रायपुर, 6 जुलाई। भाजपा किसान नेता एवं सर्व हिंदू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश तिवारी ने रायपुर स्थित निवास पहुंचकर छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल से आत्मीय सौजन्य भेंट की तथा उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर उन्होंने भेंट कर मंत्री दयाल दासबघेल के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुखद एवं सफल सार्वजनिक जीवन की मंगलकामनाएं कीं। इस दौरान योगेश तिवारी ने कहा कि दयालदास बघेल लंबे समय से जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए प्रदेश के विकास एवं आमजन के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के

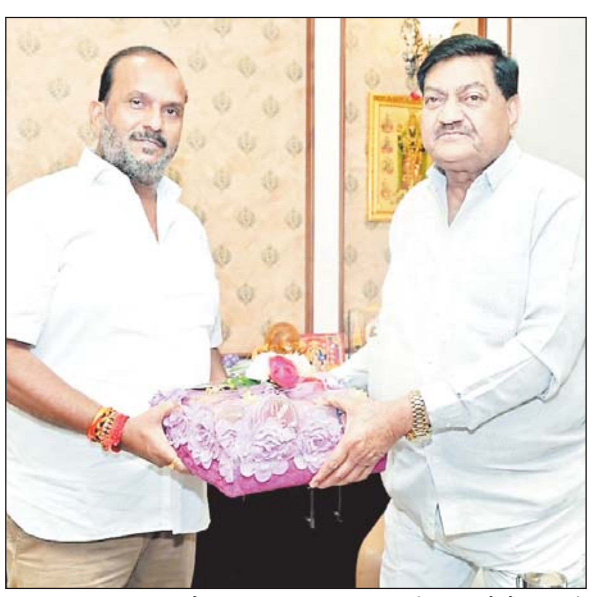

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सतत प्रयास किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के लाखों परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। सौजन्य भेंट के दौरान प्रदेश के समग्र विकास, किसानों के हित, ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं, खाद्य सुरक्षा व्यवस्था तथा जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर आत्मीय चर्चा भी हुई। योगेश तिवारी ने कहा कि सरकार की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन एवं आमजन तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। योगेश तिवारी ने मंत्री दयालदास बघेल के सरल, सहज एवं जनहितैषी व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि वे सदैव जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। उनका अनुभव एवं मार्गदर्शन प्रदेश के विकास और जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

द्धअंत में योगेश तिवारी ने पुनः मंत्री दयालदास बघेल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं निरंतर जनसेवा के लिए शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में प्रदेश विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

PICTURE-स्टोरी

रायपुर, 6 जुलाई। जल जीवन मिशन के ठेकेदारों ने भुगतान की मांग को लेकर आकाशवाणी काली मंदिर चौक के पास प्रदर्शन किया।

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट पर स्वास्थ्य कार्यशाला सम्पन्न

रायपुर, 6 जुलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज द्वारा कल शाम वी.आई.पी. चैक, जी.ई. रोड स्थित होटल ÷बेबीलॉन कैपिटल÷ में एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गंभीर स्वास्थ्य जागरूकता संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला वर्तमान समय में घुटनों और जोड़ों की गंभीर समस्याओं और उनके आधुनिकतम उपचार ÷रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट÷ विषय पर केंद्रित थी। कार्यक्रम में डॉ. पंकज धाबलिया रायपुर के एक अत्यंत प्रतिष्ठित और अनुभवी हड्डी रोग विशेषज्ञ, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स, में ऑर्थोपेडिक्स, जॉइंट रिप्लेसमेंट और स्पोर्ट्स इंजरी विभाग के प्रमुख मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि एक आर्थोपेडिक सर्जन के रूप में हमारा काम सिर्फहड्डियों को जोड़ना नहीं है, बल्कि मरीज के जीवन की गतिशीलता को वापस लौटाना है। तकनीकी रूप से उन्नत होना जरूरी है, लेकिन उसके साथ ही मरीज के प्रति संवेदनशीलता और उसकी मानसिक स्थिति को समझना भी उतना ही आवश्यक है। आज की गतिहीन जीवनशैली हमारी हड्डियों को समय से पहले कमजोर कर रही है। दवाओं से ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी दिनचर्या में शारीरिक सक्रियता और संतुलित आहार को शामिल करें। आपकी हड्डियों की मजबूती ही आपके बुढ़ापे का असली सहारा है।

मौसम — **रायपुर में हुई रिकॉर्ड बारिश से शहर की ड्रेनेज व्यवस्था चरमराई**

जलभराव के बाद अरमान नाला चौड़ीकरण और अतिक्रमण हटाने की मांग

रायपुर, 6 जुलाई। रायपुर में हुई रिकॉर्ड बारिश ने शहर की ड्रेनेज व्यवस्था की पोल खोल दी। गुरु गोविंद सिंह वार्ड समेत कई इलाकों में घरों तक पानी घुस गया, जिससे लोगों का राशन, फर्नीचर और जरूरी सामान खराब हो गया। बाढ़ जैसे हालात के बाद वार्ड पार्षद कैलाश बेहरा नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अरमान नाला वर्षों से अतिक्रमण की वजह से सिकुड़ गया है, इसलिए तेज बारिश में पानी की निकासी नहीं हो पाती और हर साल लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है।

पार्षद ने अरमान नाला से अतिक्रमण हटाने, उसका चौड़ीकरण और गहरीकरण कराने के साथ स्थायी जल निकासी व्यवस्था बनाने की मांग की। नगर निगम आयुक्त संविद मिश्रा ने अधिकारियों को जल्द कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद प्रभावित परिवारों तक पका हुआ भोजन और राहत सामग्री भी पहुंचाई गई। जगन्नाथ नगर, प्रगति नगर, इमामबाड़ा, गौरा नगर, गांधी नगर, राधा-कृष्ण मंदिर क्षेत्र और काली नगर समेत कई इलाकों में राहत कार्य चलाया गया। पार्षद कैलाश बेहरा ने कहा कि संकट की इस घड़ी में हर प्रभावित परिवार के साथ खड़े रहना उनकी जिम्मेदारी है और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रशासन के साथ मिलकर काम किया जाएगा।

मानसून के दस्तक मात्र से सरकार के विकास की पोल खुली

रायपुर, 6 जुलाई। राजधानी रायपुर में मानसून की पहली ही तेज़ बारिश ने भाजपा सरकार के विकास के दावों की पोल खोल दी है। शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। लोगों के घरों में पानी घुस गया है, जिससे अनाज, राशन, हल्दी-मसाले, कपड़े, बिस्तर, घरेलू सामान और रसोई गैस सिलेंडर तक पानी में बह गए हैं। आम नागरिक भारी आर्थिक नुकसान और परेशानी का सामना कर रहे हैं। उपाध्याय आज सुबह से राजधानी के जलभराव क्षेत्रों में चाहे वह गुड़ियारी, रामनगर, की बात करे या फिर कुशाल पुर, पुरानी बस्ती, कोटा ,प्रोफेसर कॉलोनी, देवेंद्र

नगर, बजरंग नगर, जोरा पारा, टिकरा पारा, अर्जुन नगर, पारस नगर, मण्डी, नहर पारा सहित अधिकांश जगह पहुंचे और आम जनता से रूबरू हुए लेकिन सत्ता पक्ष के लोग उन जगहों से नदारत रहे।

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि जब पहली ही बारिश में राजधानी का यह हाल है, तो आने वाले दिनों में स्थिति कितनी भयावह होगी, इसका अंदाज़ा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम में महापौर भाजपा के हैं, सांसद भाजपा के हैं और प्रदेश में भी भाजपा की सरकार है, लेकिन जनता की पीड़ा सुनने और राहत पहुँचाने वाला कोई नज़र नहीं आ रहा। पूरा प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है, जबकि लोग बिजली संकट और लगातार हो रही बारिश से त्रस्त हैं।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26